दैनिक
# बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र
एक विश्वास....

पकंज त्रिपाठी की क्रिमिनल जस्टि ...8

सिद्धार्थनगर
मंगलवार, 20 मई 2025
वर्ष: 12 अंक: 157 पृष्ठ: 8
आमंत्रण मूल्य 2/- रुपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

सम्पादक : राजेश शर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

## ऑपरेशन सिंदूर, सैन्य तनाव से लेकर सीजफायर तक...
### विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने संसदीय समिति को दी हर जानकारी



नई दिल्ली। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने सोमवार को संसद की विदेश मामलों की स्थायी समिति को भारत-पाकिस्तान संघर्ष के बारे में जानकारी दी और इस बात पर जोर दिया कि यह पूरी तरह से पारंपरिक सैन्य क्षेत्र के अंतर्गत है तथा पाकिस्तान की ओर से कोई परमाणु संकेत नहीं दिया गया है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर की अध्यक्षता में हुई बैठक में टीएमसी के अभिषेक बनर्जी, कांग्रेस के राजीव शुक्ला और दीपेंद्र हुड्डा, एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी और भाजपा सांसद अपराजिता सारंगी और अरुण गोविल जैसे विभिन्न राजनीतिक दलों के विधायक शामिल थे। मिस्री ने कथित तौर पर सरकार की स्थिति को दोहराया कि सैन्य कार्रवाई को रोकने का निर्णय द्विपक्षीय स्तर पर लिया गया था, जो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बार-बार किए गए दावों के खिलाफ था कि संघर्ष को कम करने में उनके प्रशासन की भूमिका है। सूत्रों के अनुसार, पैनल के कुछ सदस्यों ने हाल के आदान-प्रदान के दौरान पाकिस्तान द्वारा चीनी प्लेटफार्मों के संभावित उपयोग के बारे में चिंता जताई, लेकिन मिस्री ने इसे अप्रासंगिक बताते हुए खारिज कर दिया और कहा कि भारत ने प्रभावी रूप से पाकिस्तानी हवाई ठिकानों को निशाना बनाया था, जिससे उनकी परिचालन क्षमता सीमित हो गई थी। यह ब्रीफिंग ऑपरेशन सिंदूर की पृष्ठभूमि में हुई, जो पहलगाम आतंकी हमले का बदला लेने के लिए चल रहा भारतीय सैन्य अभियान है। 10 मई को सैन्य कार्रवाइयों में अस्थायी रोक लगाने पर सहमत होने से पहले भारतीय और पाकिस्तानी सेनाओं ने कई गहन बातचीत की थी। पहलगाम हमले पर भारत की प्रतिक्रिया और आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए उसके कूटनीतिक प्रयासों के व्यापक संदर्भ को शामिल किए जाने की उम्मीद है। इस बीच, सरकार ने आतंकवाद विरोधी प्रयासों पर भारत की स्थिति को प्रस्तुत करने के लिए 33 वैश्विक राजधानियों में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजने की योजना की घोषणा की है जो आतंकवादी नेटवर्क के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय समर्थन बनाने की उसकी व्यापक रणनीति को दर्शाता है।

## मुस्लिम पक्ष को लगा बड़ा झटका
### हाईकोर्ट ने संभल जामा मस्जिद के सर्वे को दी मंजूरी



प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने संभल में शाही जामा मस्जिद के सर्वेक्षण के लिए निचली अदालत द्वारा जारी आदेश को बरकरार रखा। मुस्लिम पक्ष की याचिका खारिज कर दी गई। अदालत ने निचली अदालत के आदेश में कोई मुद्दा नहीं पाया। गाजियाबाद में अधिवक्ता हरि शंकर जैन ने कहा कि कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष की दलील को खारिज कर दिया और कहा कि सर्वे सही था। जो भी सर्वे हुआ था, उसे पढ़कर रिकॉर्ड का हिस्सा बनाया जाएगा। अगर वे (मुस्लिम पक्ष) सुप्रीम कोर्ट जाते हैं तो हम उनका स्वागत करने के लिए तैयार हैं। न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल की अध्यक्षता वाली एकल पीठ ने मुस्लिम पक्ष की दलीलों को खारिज करते हुए फैसला सुनाया। 13 मई को मस्जिद समिति की सिविल पुनरीक्षण याचिका पर सुनवाई पूरी करने के बाद हाईकोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। इससे पहले, संभल मस्जिद प्रबंधन समिति ने जिला न्यायालय संभल में लंबित मूल मुकदमे में चल रही निचली अदालत की कार्यवाही पर रोक लगाने की मांग करते हुए एक सिविल पुनरीक्षण याचिका दायर की थी। हिंदू पक्ष के वकील एडवोकेट गोपाल शर्मा ने कहा था कि फैसले में यह बताया जाएगा कि सिविल जज सीनियर डिवीजन संभल को सर्वेक्षण का आदेश देने का अधिकार है या नहीं। शर्मा ने कहा, 19 नवंबर 2024 को हमने याचिका दायर की थी। कोर्ट ने सर्वे का आदेश दिया था। सर्वे दो हिस्सों में हुआ था। जामा मस्जिद का पक्ष सर्वे के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट गया, सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें हाईकोर्ट जाने को कहा। इससे पहले, 29 अप्रैल को सर्वोच्च न्यायालय ने शाही जामा मस्जिद, संभल की प्रबंधन समिति को उत्तर प्रदेश प्राधिकारियों की स्थिति रिपोर्ट पर अपना जवाब दाखिल करने के लिए दो सप्ताह का समय दिया था, जिसमें कहा गया था कि विवादित कुआं मस्जिद के बाहर स्थित है।

## भारत कोई धर्मशाला नहीं है जो सारी दुनिया को...
### सुप्रीम कोर्ट ने श्रीलंका के शख्स की याचिका खारिज करते हुए की सख्त टिप्पणी



नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट को कहा कि भारत कोई धर्मशाला नहीं है जो दुनिया भर के शरणार्थियों को जगह दे सके जबकि वह पहले से ही 140 करोड़ लोगों की आबादी का भरण-पोषण करने के लिए संघर्ष कर रहा है। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने यह टिप्पणी एक श्रीलंकाई नागरिक की याचिका को खारिज करते हुए की, जिसमें उसके निर्वासन पर रोक लगाने की मांग की गई थी। लाइव लॉ के अनुसार, वह हाल ही में गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम के तहत कारावास की सजा काट चुका है। याचिकाकर्ता को 2015 में लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम के साथ कथित संबंधों के लिए गिरफ्तार किया गया था। यह एक ऐसा समूह है जिसने देश के भाषाई तमिल अल्पसंख्यकों के लिए एक अलग देश की स्थापना के लिए दशकों तक चले गृहयुद्ध में श्रीलंका सरकार से लड़ाई लड़ी थी। स्रूज को भारत सरकार ने आतंकवादी संगठन घोषित किया है। 2018 में ट्रायल कोर्ट ने यूएपीए के तहत इस व्यक्ति को दोषी ठहराया था। मद्रास उच्च न्यायालय ने उसकी जेल की अवधि दस साल से घटाकर सात साल कर दी और उसे जेल की अवधि पूरी होते ही देश छोड़ने को कहा। तीन साल से शरणार्थी शिविर में बंद इस व्यक्ति ने शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया और दावा किया कि अगर वह श्रीलंका लौटता है तो उसकी जान को खतरा है। उसने कहा कि वह उचित वीजा पर भारत आया था उसने बताया कि उसकी पत्नी और बच्चे अब भारत में बस गए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि याचिकाकर्ता ने अपने निर्वासन की प्रक्रिया में कथित देरी का भी हवाला दिया और शीर्ष अदालत से इस पर रोक लगाने की मांग की। उनकी याचिका पर जवाब देते हुए न्यायमूर्ति दत्ता ने कहा, क्या भारत को दुनिया भर से शरणार्थियों की मेजबानी करनी है? हम 140 करोड़ लोगों के साथ संघर्ष कर रहे हैं। यह कोई धर्मशाला नहीं है कि हम हर जगह से विदेशी नागरिकों का स्वागत कर सकें।

## सिंदूर का सौदा होता रहा, प्रधानमंत्री चुप रहे...
### कांग्रेस ने फिर साधा मोदी और जयशंकर पर निशाना



नई दिल्ली। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने सोमवार को राष्ट्रीय सुरक्षा मुद्दों से निपटने के सरकार के तरीके पर चिंता जताई। उन्होंने सरकार पर ऑपरेशन सिंदूर के बारे में पाकिस्तान को पहले से सूचित करने का आरोप लगाया। खेड़ा ने दावा किया कि भारत ने आतंकवादी स्थलों पर हमला करने से पहले ही सूचित कर दिया था, सिंदूर का सौदा हो रहा है, पीएम मोदी चुप रहे। उन्होंने इस कृत्य को निर्णय की गंभीर त्रुटि बताया। खेड़ा ने पूछा, अगर उन्होंने (एस जयशंकर) पाकिस्तान को पहले से आगाह नहीं किया होता, तो क्या अजहर मसूद और हाफिज सईद जैसे आतंकवादी बच निकलते? खेड़ा ने एक्स पर राहुल गांधी द्वारा हाल ही में पोस्ट किए गए पोस्ट का हवाला दिया, जिसमें विदेश मंत्री जयशंकर द्वारा जवाबी कार्रवाई से पहले पाकिस्तान को सूचित करने के कथित बयान पर सवाल उठाया गया था। उन्होंने कहा, यह जानना महत्वपूर्ण है कि कितने विमान खो गए, देश को कितना नुकसान हुआ और कितने आतंकवादी बच निकले। नागरिकों को जानने का अधिकार है। उन्होंने कहा, यह जानना महत्वपूर्ण है कि कितने विमान नष्ट हुए, देश को कितना नुकसान हुआ और कितने आतंकवादी बच निकले। नागरिकों को यह जानने का अधिकार है। पवन खेड़ा ने संवाददाताओं से कहा, "राहुल गांधी ने विदेश मंत्री के बयान पर कुछ सवाल पूछे हैं। यह बहुत महत्वपूर्ण इसलिए हो जाता है, क्योंकि पिछले एक हफ्ते में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अलग-अलग देशों में एक बात दोहराते रहे कि उन्होंने युद्ध रुकवाने में मध्यस्थता की।" उन्होंने कहा, "ट्रंप ने एक बहुत खौफनाक बात यह भी बोली कि उन्होंने भारत को व्यापार रोकने की धमकी देकर युद्ध रुकवाया। यानी सिंदूर का सौदा होता रहा, प्रधानमंत्री चुप रहे। विदेश मंत्री के मुंह से एक शब्द नहीं निकल रहा।" खेड़ा ने दावा किया, "हमें नहीं मालूम कि अमेरिका और चीन के पास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, विदेश मंत्री और भाजपा के नेताओं के ऐसे कौन से राज हैं, क्योंकि इनका कभी अमेरिका और चीन के आगे मुंह नहीं खुलता।

## पहलगाम आतंकी हमले के बाद असम में 71 'देशद्रोही' गिरफ्तार

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद कथित रूप से 'राष्ट्र-विरोधी' गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में तीन और लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिससे ऐसे मामलों में राज्य में गिरफ्तार किए गए लोगों की संख्या बढ़कर 71 हो गई है। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में शर्मा ने कहा कि कोकराझार, गोलपारा और दक्षिण सलमारा-मनकाचर जिलों से एक-एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा, '71 देशद्रोही अब सलाखों के पीछे हैं! असम पुलिस डिजिटल माध्यमों पर कड़ी निगरानी रख रही है।' इससे पहले, विपक्षी दल ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) विधायक अमीनुल इस्लाम को कथित तौर पर पाकिस्तान और पहलगाम आतंकी हमले में उसकी संलिप्तता का 'बचाव' करने लिए देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।



## बीजेपी और जदयू को बिहार और बिहारियों से कोई लेना-देना नहीं... एनडीए पर तेजस्वी यादव का तंज



पटना। पूर्व केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह की पार्टी का प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी में विलय ने बिहार में राजनीतिक हलचल मचा दी है। राजद नेता तेजस्वी यादव ने इस कदम के पीछे छिपे एजेंडे का दावा किया है। यह घटनाक्रम 2025 के बिहार विधानसभा चुनावों से पहले हुआ है, जिससे राजनीतिक पुनर्गठन की गति तेज हो गई है। सीएम नीतीश कुमार के पूर्व करीबी सहयोगी और जनता दल (यूनाइटेड) के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष आरसीपी सिंह ने जेडी(यू) से अलग होने के बाद अपनी पार्टी बनाई थी। तेजस्वी यादव ने कहा कि बीजेपी और जेडीयू को बिहार और बिहारियों से कोई लेना-देना नहीं है। उन्हें पढ़ाई, दवाई, कमाई, सिंचाई, सुनवाई, शिक्षा, स्वास्थ्य से कोई मतलब नहीं है। वे केवल टीवी पर दिन-रात लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव को गाली देना जानते हैं। बिहार सरकार में हमारे खिलाफ बयान देने की होड़ चल रही है। हालांकि, रविवार को उन्होंने अपनी पार्टी का विलय राजनीतिक रणनीतिकार से राजनेता बने प्रशांत किशोर द्वारा स्थापित जन सुराज में कर दिया। इस नए गठबंधन पर प्रतिक्रिया देते हुए तेजस्वी ने नाम तो नहीं लिया, लेकिन इस बात के पुख्ता संकेत दिए कि भाजपा पर्दे के पीछे से इस घटनाक्रम की योजना बना रही हो सकती है। तेजस्वी ने पटना में मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए कहा, दोनों ही जेडी(यू) में थे, एक राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, दूसरा राष्ट्रीय अध्यक्ष। यह सब कौन करवा रहा है और कैसे हो रहा है, बिहार की जनता सब जानती है।

> तेजस्वी ने कहा, अगर जेडी(यू) के दो बागी एक साथ आ गए हैं, तो सबको समझ में आ गया है कि यह किसका खेल है

## यह कैसी राजनीति है? क्या आप हमारे सांसदों के नाम तय करेंगे?
### सरकार पर क्यों भड़की कांग्रेस



नई दिल्ली। कांग्रेस ने कहा कि वह ऑपरेशन सिंदूर के बाद विभिन्न देशों में भेजे जाने वाले राजनयिक प्रतिनिधिमंडलों का हिस्सा बनने से किसी को नहीं रोक रही है और सरकार के कहने पर जिन नेताओं को नामित किया गया है उन्हें अपनी अंतरात्मा की आवाज सुननी चाहिए और इस प्रक्रिया में योगदान देना चाहिए। कांग्रेस महासचिव (संचार प्रभारी) जयराम रमेश ने सरकार पर प्रतिनिधिमंडलों के लिए नेताओं को चुनने की प्रक्रिया का राजनीतिकरण करने और दुर्भावनापूर्ण इरादे रखने का आरोप लगाया, क्योंकि पार्टी द्वारा नामित चार कांग्रेस नेताओं में से केवल एक को ही इस पद के लिए चुना गया। जयराम रमेश ने कहा कि अगर कांग्रेस सांसदों का लिस्ट में होना जरूरी था, तो पार्टी नेताओं से चर्चा करनी चाहिए थी। वे हमसे नाम देने के लिए कह सकते थे। हमारे देश में राजनीतिक दल लोकतंत्र की जान हैं। दल सरकार बनाते हैं सरकार दल नहीं बनाती। हमारे देश में दलीय व्यवस्था है लेकिन आपने इस पर सवालिया निशान लगा दिया है। यह कैसी राजनीति है? क्या आप प्रतिनिधिमंडल में जाने वाले हमारे सांसदों के नाम तय करेंगे? हमें चुने गए नामों से कोई दिक्कत नहीं है। वे मेरे अच्छे मित्र हैं, अनुभवी हैं और कई सालों से विदेश और रक्षा नीति पर काम कर रहे हैं। जो प्रक्रिया चुनी गई है, वह गलत है। यह एक कुख्यात प्रक्रिया है, ऐसा नहीं किया जाना चाहिए था। कांग्रेस सांसद ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का मानना था कि इससे पहले एक सर्वदलीय बैठक होनी चाहिए थी और प्रधानमंत्री मोदी को बैठक की अध्यक्षता करनी चाहिए थी।

## पार्टी स्तर की राजनीति से दूर रहना चाहिए... शरद पवार ने संजय राउत को दी सलाह



मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने ऑपरेशन सिंदूर और पाकिस्तान के साथ भारत की सैन्य तनातनी के बारे में दूसरे देशों को जानकारी देने के लिए सांसदों को विदेश भेजने की जरूरत पर सवाल उठाया और इस कदम की तुलना बारात से की। सरकार ने इस महीने के आखिर में विभिन्न दलों के सांसदों वाले सात प्रतिनिधिमंडलों को कई देशों में भेजने का फैसला किया है, ताकि हालिया संघर्ष में भारत की स्थिति को समझाया जा सके और इस्लामाबाद पर सीमा पार आतंकवाद को पनाह देने का आरोप लगाते हुए उस पर कूटनीतिक दबाव बनाया जा सके। वहीं, एनसीपी (सपा) अध्यक्ष शरद पवार ने सोमवार को संजय राउत को आड़े हाथों लेते हुए उन्हें भारत के वैश्विक संपर्क प्रयासों में स्थानीय स्तर की राजनीति न लाने की सलाह दी। यह बात शिवसेना (यूबीटी) नेता ने केंद्र द्वारा विभिन्न देशों में प्रतिनिधिमंडल भेजने के कदम का बहिष्कार करने का आह्वान करने के एक दिन बाद कही।

## ऑल पार्टी डेलिगेशन से टीएमसी ने क्यों बनाई दूरी? ममता का अब आया बड़ा बयान

> ममता बनर्जी ने कहा कि हमारे पास कोई अनुरोध नहीं आया अगर कोई अनुरोध हमारे पास आता, तो हम विचार कर सकते थे

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की निरंतर लड़ाई और ऑपरेशन सिंदूर को प्रदर्शित करने के लिए प्रमुख साझेदार देशों का दौरा करने वाले सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल की सूची में टीएमसी सांसद यूसुफ पठान के नाम पर चिंता व्यक्त की है। केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि वे नाम तय नहीं कर सकते। अगर वे मातृ पार्टी से अनुरोध करेंगे तो पार्टी नाम तय करेगी। यही परंपरा है, यही व्यवस्था है। हम विदेश नीति के मामले में केंद्र सरकार के साथ हैं और उनका पूरा समर्थन कर रहे हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या टीएमसी ने पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद का मुकाबला करने के उद्देश्य से केंद्र के बहुदलीय राजनयिक मिशन से बाहर निकलने का विकल्प चुना है, पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि हमारे पास कोई अनुरोध नहीं आया। अगर कोई अनुरोध हमारे पास आता, तो हम विचार कर सकते थे। हम देश के पक्ष में हैं। विदेश मामलों के मुद्दे पर हमने हमेशा केंद्र की नीति का समर्थन किया है। वर्तमान में, हम केंद्र सरकार के विचारों और कार्यों का समर्थन कर रहे हैं। वे अपने दम पर सदस्य का नाम तय नहीं कर सकते। यह उनकी पसंद नहीं है, यह पार्टी की पसंद है। अगर उन्होंने मुझसे किसी को भेजने का अनुरोध किया, तो हम नाम तय करेंगे और उन्हें बताएंगे। ऐसा नहीं है कि हम बहिष्कार कर रहे हैं या हम नहीं जा रहे हैं। इससे पहले कांग्रेस ने कहा कि वह ऑपरेशन सिंदूर के बाद विभिन्न देशों में भेजे जाने वाले राजनयिक प्रतिनिधिमंडलों का हिस्सा बनने से किसी को नहीं रोक रही है और सरकार के कहने पर जिन नेताओं को नामित किया गया है उन्हें अपनी अंतरात्मा की आवाज सुननी चाहिए और इस प्रक्रिया में योगदान देना चाहिए। कांग्रेस महासचिव (संचार प्रभारी) जयराम रमेश ने सरकार पर प्रतिनिधिमंडलों के लिए नेताओं को चुनने की प्रक्रिया का राजनीतिकरण करने और दुर्भावनापूर्ण इरादे रखने का आरोप लगाया, क्योंकि पार्टी द्वारा नामित चार कांग्रेस नेताओं में से केवल एक को ही इस पद के लिए चुना गया। जयराम रमेश ने कहा कि अगर कांग्रेस सांसदों का लिस्ट में होना जरूरी था, तो पार्टी नेताओं से चर्चा करनी चाहिए थी। वे हमसे नाम देने के लिए कह सकते थे। हमारे देश में राजनीतिक दल लोकतंत्र की जान हैं। दल सरकार बनाते हैं, सरकार दल नहीं बनाती। हमारे देश में दलीय व्यवस्था है, लेकिन आपने इस पर सवालिया निशान लगा दिया है।

# मेधावी छात्र छात्राओं को किया गया पुरस्कृत साथ में स्मार्ट क्लास का एसडीएम ने किया उद्घाटन

दैनिक बुद्ध का संदेश
उसका बाजार/ सिद्धार्थनगर। क्षेत्र के उदयराज पब्लिक स्कूल, मथवापुर ने वार्षिक परीक्षाफल, पुरस्कार वितरण एवं स्मार्ट क्लास उदघाटन समारोह सोमवार को हुआ। इस कड़ी में विद्यालय परिसर में सत्र 2024–25 में अपनी–अपनी कक्षाओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र/छात्राओं को मेडल एवं प्रशस्ति पत्र एवं विद्यालय में सर्वोच्च अंक पाने वाले छात्रा को विशेष पुरस्कार द्वारा सम्मानित किया गया इस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि उप जिला अधिकारी कल्याण सिंह मौर्य के कर कमलों द्वारा मेधावी छात्र/छात्राओं को सम्मान प्राप्त हुआ तथा उन्होंने समस्त छात्र/छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कक्षाओं ने प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र/छात्राऐं –अनवी सिंह, वरुण सिंह, कोमल सिंह, खुशबू सिंह, श्रेया उपाध्याय, सरिता, ब्रिटि, मार्कण्डेय, शिवि, अविनाश, अन्वी, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र/छात्राऐं –अंश राय, फरहान, आशीष, हिमांशु, इरफान, हिमांशु कुमार, अंशिका, शिफा, चांदनी, अंजनी, प्रिंस तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र/छात्राऐं – अभिनंदन, अनीश, दिव्यांश, सोमनाथ, प्रिंस, प्रियांशा, नूरजहा, तस्मिया, विंध्यवासिनी, शशि, इतिश्याक आदि लोग सम्मानित हुए। सत्र में विद्यालय में सर्वोच्च अंक प्राप्त छात्रा–कोमल सिंह को उप जिलाधिकारी ने सम्मानित करते हुए सभी होनहारों के उज्ज्वल और कल्याणकारी भविष्य की शुभकामनाएं ज्ञापित किया। इस मौके पर उमेश सिंह, सूरज, दिनेश सिंह, रामसागर यादव, घनश्याम गुप्ता, ओमप्रकाश उपाध्याय, ओम प्रकाश पाठक, चेता, सुखराम, राम नारायण त्रिपाठी, रमेश गिरि, सुशील उपाध्याय, संतोष वर्मा, गौरीशंकर, प्रेमचंद, ब्रजेश, मुख्तार, अवधेश, आदि के अलावा शिक्षकगण पुष्कर त्रिपाठी, जयप्रकाश पांडेय, लवकुश पांडेय, शिवा शंकर पांडेय, फरहत जमी, रूपा, पूजा त्रिपाठी, वीरेन्द्र कुमार, रुक्मिणी मिश्रा, संदीप गौड़, बाल कृष्ण वर्मा, श्वेता मिश्रा, सुरेंद्र मणि, आदि की उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन लवकुश पांडेय ने और अंत में आगंतुकों के प्रति आभार ज्ञापन विद्यालय के निदेशक –अनिल कुमार उपाध्याय ने किया।





## बढ़नी में बिना मान्यता के चल रहे हैं स्कूल

दैनिक बुद्ध का संदेश
बढ़नी/ सिद्धार्थनगर। कस्बे व ग्रामीण क्षेत्रों में बिना मान्यता के स्कूल खुलेआम चल रहे हैं। यहां न तो मानक अनुरूप योग शिक्षक है और न स्कूल चलाने के लिए मानक अनुरोध भवन। इन स्कूलों में बिना किसी अनुभव एवं मानक के शिक्षक रखकर विद्यार्थियों के शैक्षिक जीवन के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। बीईओ रामू प्रसाद का कहना है कि बिना मान्यता के स्कूलों को नोटिस दिया गया है। सही पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी।

## अधीनस्थ उद्यान सेवा संघ की मंडलीय कार्यकारिणी गठित, भानु प्रताप त्रिपाठी बने अध्यक्ष

दैनिक बुद्ध का संदेश
बस्ती। अधीनस्थ उद्यान सेवा संघ की मंडलीय कार्यकारिणी के गठन हेतु सोमवार को जिला उद्यान अधिकारी कार्यालय में चुनाव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उप निदेशक उद्यान, बस्ती मंडल ने की। इस दौरान महामंत्री यशवंत पटेल भी उपस्थित रहे। चुनाव में सर्वसम्मति से भानु प्रताप त्रिपाठी (उद्यान निरीक्षक) को अध्यक्ष, विवेक वर्मा (सहायक उद्यान निरीक्षक) को उपाध्यक्ष, राजेश राय (सहायक उद्यान निरीक्षक) को महामंत्री एवं पारस नाथ (सहायक उद्यान निरीक्षक) को कोषाध्यक्ष चुना गया। चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी ढंग से सम्पन्न हुई। इस अवसर पर संघ के अन्य सदस्य व अधिकारी भी उपस्थित रहे।

## बर्डपुर बुद्ध तिराहे से बर्डपुर मुख्य चौराहा तक भाजपा कार्यकर्ताओं ने निकाला भव्य तिरंगा शौर्य यात्रा

दैनिक बुद्ध का संदेश
सिद्धार्थनगर। भारतीय जनता पार्टी शीर्ष नेतृत्व के आह्वाहन पर आपरेशन सिंदूर के सफलता के उपरांत भारतीय सेना के शौर्य पराक्रम के सम्मान में पूरे देश में शौर्य तिरंगा यात्रा निकाली जा रही है इसी क्रम में सोमवार को कपिलवस्तु विधानसभा क्षेत्र के बर्डपुर में बर्डपुर बुद्ध तिराहे से बर्डपुर मुख्य चौराहा तक भाजपा कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने भव्य तिरंगा शौर्य यात्रा निकाली जिसके मुख्य अतिथि सदर विधायक श्यामधनी राही रहे। तिरंगा यात्रा में पूरा कस्बा भारत माता एवं वन्दे मातरम के जयघोष से गुंजायमान हो उठा। इस दौरान सदर विधायक श्यामधनी राही ने कहा कि यह तिरंगा भारतीय सेना के शौर्य पराक्रम एवं अदम्य साहस का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि पहलगाम में निर्दोष नागरिकों की हत्या के पश्चात भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान पर किए गए प्रहार एवं कार्यवाही ने पूरे देश गौरवान्वित किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृढ़ संकल्प एवं नेतृत्व में भारतीय सेना के सम्मान में पूरा देश भारतीय सेना पर गर्व महसूस कर रही है और उनके सम्मान में खड़ी है। इस दौरान अजय उपाध्याय नितेश पाण्डेय अमित उपाध्याय तेजू विश्वकर्मा सत्यप्रकाश राही डॉ शरदेंदु त्रिपाठी ओमप्रकाश यादव सबलू साहनी मूलचंद जायसवाल प्रतिमा दुबे विवेक गोस्वामी संगलेश शुक्ला श्रवण दुबे राजकुमार चौधरी, बृजेश सिंह दीपेंद्र चौधरी कंचन वर्मा राम उजागीर जायसवाल राजेश जायसवाल विजय चौरसिया विजय गुप्ता राजेंद्र विश्वकर्मा हरिशंकर तिवारी किशनदेव अनिल चौधरी राजू यादव सोनू सिंह बबलू त्रिपाठी अनुराग कसौधन ओमप्रकाश गुप्ता राम सिंह सर्वजीत चौधरी घनश्याम विजय जायसवाल संभाई यादव अजय गुप्ता रामनिवास विश्वकर्मा सुमीत राजभर बालगोविंद पाठक अनिरुद्ध विश्वकर्मा कमलेश कुमार संजय साहनी शिवम मिश्रा मुनीराम राजभर सतीश जायसवाल श्यामनंदन लोधी मतुराम विश्वकर्मा मनीष जायसवाल शिवपूजन यादव सौरभ पाण्डेय दुर्गेश जय प्रकाश विश्वकर्मा सोहन चौधरी अजय दुबे त्रियुगी नारायण दुबे आशीष मिश्रा सहित भारी संख्या में कार्यकर्ता पदाधिकारी एवं जनमानस तिरंगा यात्रा में शामिल हुए।

## बोलेरो की टक्कर से बालक घायल, मुकदमा दर्ज

दैनिक बुद्ध का संदेश
उसका बाजार/ सिद्धार्थनगर। स्थानीय थाना क्षेत्र के महुवा माफी में तेज रफ्तार से आरही बोलेरो गाड़ी से किशोर को ठोकर लगने और घायल होने के मामले में मुकामी पुलिस ने मामला पंजीकृत जांच पड़ताल शुरू कर दिया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक बीते रविवार की रात लगभग साढ़े 9 बजे लोटन की ओर से आरही एक तेज रफ्तार बोलेरो गाड़ी ने महुवा माफी गांव के निवासी मनीष के बारह वर्षीय बेटे कुशल को ठोकर मार दिया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। किसी तरह घायल कुशल को मेडिकल कॉलेज सिद्धार्थनगर इलाज के लिए एक निजी साधन से ले जाया गया इस कड़ी में उसका पुलिस को घायल कुशल के पिता मनीष पुत्र चिनगुद की ओर से मिली तहरीर के आधार पर मु0अ0सं0 78/2025 181,125(), 125(ड) बीएनएस व 184 एमवी ऐक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस सूत्र के मुताबिक बोलेरो गाड़ी और चालक अज्ञात के विरुद्ध मामला दर्ज कर आगे की विधिक कार्यवाही की जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक उक्त बोलेरो लोटन से लोहास की आ रही थी और चालक काफी तेज रफ्तार व लापरवाही चला रहा था।

## बनकटा बांध पर राप्ती नदी के तट पर कराये जा रहे कार्यों का हुआ निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश
सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी डॉक्टर राजा गणपति आर द्वारा उपजिलाधिकारी बांसी शशांक शेखर राय के साथ सिंचाई विभाग द्वारा बांसी बनकटा बांध पर राप्ती नदी के दाए तट पर कराए जा रहे कटाव निरोधक कार्य (ड्रेपनर निर्माण एवं लांचिंग एप्रन, स्लोप पिचिंग तथा आरसीसी परक्यूपाइन लगाने) का निरीक्षण किया गया। मौके पर ड्रेपनर निर्माण कार्य पूर्ण पाया गया। जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता सिंचाई निर्माण खंड को निर्देश दिया कि सभी कटाव निरोधक कार्य समय से पूर्ण करा लिया जाए। निरीक्षण के दौरान अधिशासी अभियंता सिंचाई निर्माण खंड सतीश कुमार, सहायक अभियंता अमित कुमार मल्ल, मिथिलेश लाल दास आदि उपस्थित थे।

## आशाओं के कार्यों का हुआ भौतिक सत्यापन, दिया गया निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश
मनवापुर। मनवापुर ब्लाक क्षेत्र के स्वास्थ्य उपकेंद्र दियलीडीहा मिश्र में सोमवार को आशाओं का समीक्षा बैठक किया गया। बैठक में पिछले कार्यों का सत्यापन किया गया तथा जरूरी निर्देश दिया गया। बैठक में प्रत्येक ब्लाक ने गांव में भ्रमण कर आशाओं के द्वारा किए गए कार्यों का भौतिक सत्यापन किया। उन्होंने बताया कि एएनएम आशाओं के द्वारा किए गए कार्यों का लगातार सत्यापन कर रिपोर्ट प्रेषित करते रहें। टीकाकरण के एक दिन पहले बुलावा पर्ची का वितरण करना सुनिश्चित करें साथ ही आभा आईडी कार्ड शत् प्रतिशत बनाएं जिससे लोगों को समय से जरूरी इलाज किया जा सके। एएनएम गुंजन मिश्रा ने बताया कि गृह भ्रमण के दौरान नवजात शिशु देखभाल कार्यक्रम के तहत जच्चा बच्चा के स्वास्थ्य की निगरानी करते रहें किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर तत्काल पीएचसी या फिर सीएचसी पर लाकर इलाज सुनिश्चित कराएं इस दौरान सबिता शुक्ला, अंजली पाण्डेय, माया गुप्ता, मंजू, संगीता, जोछना, बिंदू आदि लोग मौजूद रहे।

## भाजपा किसान मोर्चा उत्तर प्रदेश के महत्वपूर्ण पदों पर बनाये गये प्रभारी

दैनिक बुद्ध का संदेश
सिद्धार्थनगर। भाजपा किसान मोर्चा उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष कामेश्वर सिंह एवं भाजपा किसान मोर्चा गोरखपुर क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष गोपेश्वर त्रिपाठी जी ने भाजपा किसान मोर्चा द्वारा आगामी अभियानों के रूप में संचालित होने वाले वन नेशन, वन इलेक्शन के अंतर्गत संपन्न होने वाले कार्यक्रमों को प्रभावी बनाए जाने हेतु भाजपा किसान मोर्चा गोरखपुर क्षेत्र के क्षेत्रीय महामंत्री रामानंद नन्हे को क्षेत्रीय संयोजक एवं क्षेत्रीय कार्य समिति के सदस्य विजय द्विवेदी जी को क्षेत्रीय सह संयोजक तथा गोरखपुर क्षेत्र के जनपद बस्ती अरुण भारती प्रदेश कार्य समिति सदस्य, संत कबीर नगर सुधाकर पांडे सदस्य प्रदेश कार समिति, सिद्धार्थनगर आत्म प्रसाद पाठक क्षेत्रीय उपाध्यक्ष, गोरखपुर महानगर संजय सिंह सैंथवार क्षेत्रीय मंत्री, गोरखपुर जिला राधे श्याम पांडे क्षेत्रीय उपाध्यक्ष, महाराजगंज मनोज राय क्षेत्रीय मंत्री, कुशीनगर रमेश कुमार पांडे क्षेत्रीय मंत्री, देवरिया शिव सागर तिवारी सदस्य प्रदेश कार्य समिति, बलिया अंजनी कुमार सिंह सोनू क्षेत्रीय मंत्री, आजमगढ़ देवेश राय क्षेत्रीय उपाध्यक्ष, मऊ ज्योति प्रताप सिंह प्रदेश का समिति सदस्य, लालगंज ऋषिकेश द्विवेदी को जिला प्रवासी बनाया गया है, प्रदेश अध्यक्ष कामेश्वर सिंह एवं क्षेत्रीय अध्यक्ष गोपेश्वर त्रिपाठी ने अपेक्षा किया है कि यह लोग अपने दायित्वों के प्रति प्रभावी भूमिका का निर्वाह करते हुए अभियानों के अंतर्गत संपन्न होने वाले कार्यक्रमों को संपन्न कराने में सक्रिय भूमिका का निर्माण करेंगे।


## कार्यालय : अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड, लो.नि.वि.- बांसी, जनपद- सिद्धार्थनगर

पत्रांक– 533/04ए/2025–26 दिनांक 07.05.2025

**निविदा आमंत्रण सूचना**

1–महामहिम राज्यपाल, महोदय उत्तर प्रदेश की ओर से अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, बांसी, सिद्धार्थनगर द्वारा उत्तर प्रदेश, लोक निर्माण विभाग में मार्ग कार्य हेतु "ए, बी, सी एवं डी" श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से ई–टेण्डरिंग के माध्यम से नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है–

| क्र. सं. | जनपद का नाम | कार्य का नाम | लागत (रू0 लाख में) | धरोहर धनराशि (रू. लाख में) | निविदा प्रपत्र का मूल्य समस्त कर सहित (रू. में) | कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा ऋतु सहित) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| 1 | सिद्धार्थ नगर | विकास खण्ड मिठवल के अन्तर्गत पड़ने वाले ग्रामीण मार्गों के पैच मरम्मत का कार्य। | 33.00 | 3.30 | निविदा मूल्य + स्टेशनरी + जी.एस.टी. + 500 + 300+144=944.00) | 09 माह |

2– प्रत्येक निविदा का शुल्क खाता UP e-tender online Account-Government के Internet Banking के द्वारा ही स्वीकार की जायेगी।

3– प्रत्येक निविदा सिक्योरिटी धनराशि खाता UP e-tender online Account के Internet Banking के द्वारा ही स्वीकार की जायेगी। बिड डाक्यूमेन्ट वेबसाईट http://etender.up.nic.in पर दिनांक 22.05.2025 से 27.05.2025 तक उपलब्ध है जो कि दिनांक 27.05.2025 को समय दोपहर 12.00 बजे तक अपलोड किये जा सकते हैं। इसकी तकनीकी बिड दिनांक 27.05.2025 को 12.30 बजे खोली जायेगी।

निविदाओं की तकनीकी मूल्यांकन प्रहरी साफ्टवेयर की माध्यम से किया जाना है जिसकी विस्तृत जानकारी बिड डाक्यूमेन्ट के साथ संलग्न निविदा सूचना में उपलब्ध है। निविदा से सम्बन्धित अधिक जानकारी वेबसाईट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड बांसी, लो0नि0वि0,
सिद्धार्थनगर

www.upgov.nic.in upid-r.o. 233858 I 19/05/2025


## धर्म की स्थापना के लिए भगवान श्रीकृष्ण ने लिया था अवतार



दैनिक बुद्ध का संदेश
डुमरियागंज। मनवापुर क्षेत्र के सेमरा बनकसिया में चल रहे श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन शनिवार की रात कथा वाचक पं. राकेश शास्त्री ने बताया कि अधर्म का विनाश कर धर्म की स्थापना के लिए श्रीकृष्ण ने अवतार लिया था। वहीं निकली बाल कृष्ण की अनुपम झांकी देख श्रोता भावविभोर हो गए। कथा व्यास ने श्री कृष्ण जन्म की कथा में आगे बताया कि वसुदेव जी श्रीकृष्ण के इच्छा के अनुसार उन्हें मथुरा से गोकुल में नंद और यशोदा के घर छोड़कर उनकी कन्या को ले जाकर कंस को आठवीं संतान कह सौंप दिया। वसुदेवजी ने कहा इसे छोड़ दीजिये मगर कंस ने नहीं माना और कन्या को पत्थर पर पटकने के लिए ऊपर उठाता है। तुरंत कन्या कंस के हाथ से छूट गयी और आकाश में देवी का रूप धारण कर कंस को चेतावनी देकर कहा कि तुम्हें मारने वाला गोकुल में जन्म ले चुका है। कह वह अंतर्ध्यान हो गई। इतनी बात सुन कंस ने गोकुल में सभी नवजातबच्चों को मारने का आदेश देता है श्रीकृष्ण को मारने के लिए तरह तरह के उपाय करने लगा मगर सभी असफल हुए तब कंस ने पूतना नामक राक्षसी को भेजा कृष्ण को मारने के लिए अपने स्तनों में विष लगा कर स्तन पान कराने लगी भगवान कृष्ण ने माया समझकर पूतना का स्तन पान करते करते उसके प्राणों का भी पान कर पूतना का प्राणान्त कर दिया। इस मौके पर यजमान सीताराम मिश्र, राजन शास्त्री, ब्रजराज, गोलू, सरिता, सुमन, अभिषेक, कुसुम, आदर्श, किरन, रंजीत, प्रतिमा, रागिनी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

## नि:शुल्क जल सेवा हेतु प्याऊ का हुआ शुभारंभ

दैनिक बुद्ध का संदेश
डुमरियागंज/ सिद्धार्थनगर। तपती गर्मी में आमजन मानस को प्यास से राहत दिलाने को लेकर जिला परिषद मार्केट स्थित भाजपा कार्यालय पर निःशुल्क जल सेवा की व्यवस्था की गई है। सोमवार को भाजपा कार्यालय के सामने राहगीरों के लिए निःशुल्क जल प्याऊ कैंप लगाया गया, जिससे कि आने–जाने वाले आमजन, राहगीर, ठेलेवाले, रिक्शे वाले पानी पीकर अपना प्यास बुझा सकें। पूर्व विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह फीता काटकर निःशुल्क जल प्याऊ का शुभारंभ किया और बताया कि जल ही जीवन है, किसी के लिए पानी की व्यवस्था करना बहुत ही नेक कार्य है, जो समाज के हर व्यक्ति को करना चाहिए। हमारी सरकार सरकार और संगठन जनसेवा को ही सर्वोपरि मानती है। इसी भावना के साथ यह छोटा–सा प्रयास जनता की सेवा में समर्पित है। इसके साथ पानी प्रकृति की देन है, इसको अनावश्यक रूप से बर्बाद ना करें अन्य देशों की तरह पानी के महत्व की सीख ले लेनी चाहिए और जल संरक्षण हेतु आवश्यक कदम उठाने चाहिए। इस दौरान उन्होंने सभी को जल को व्यर्थ में न बहाने की शपथ दिलाई। इस दौरान पप्पू श्रीवास्तव, अजय अग्रहरि, राजन अग्रहरि, अशोक पाण्डेय, डम्पू पाण्डेय, गोविंद पाण्डेय, अमन गौड़, श्यामलाल आदि मौजूद रहे।

# एक तालाब से मिट्टी हटाते समय अर्घा सहित एक मध्य कालीन शिवलिंग की हुई खोज

दैनिक बुद्ध का संदेश

बढ़नी/सिद्धार्थनगर। पड़ोसी राष्ट्र नेपाल के जिला कपिलवस्तु अन्तर्गत निगलीहवा में रविवार को एक तालाब से मिट्टी हटाते समय अर्घा (जल अर्पण) सहित एक मध्यकालीन शिवलिंग की खोज की गई है। ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व वाले इस शिवलिंग की खोज कपिलवस्तु नगर पालिका–9 के निगलीहवा गांव के उत्तर में स्थित एक पुराने तालाब से मिट्टी खोदते समय हुई। स्थानीय निवासी बीरेन्द्र कुमार उपाध्याय ने बताया कि तालाब से मिट्टी निकालकर खेत में डालते समय यह शिवलिंग मिला। उन्होंने बताया कि इस बात पर चर्चा चल रही है कि खोजे गये शिवलिंग को पुरातत्व विभाग को सौंप दिया जाये या स्थानीय लोगों को इसे संरक्षित करने दिया जाये। स्थानीय रामदत्त कुर्मी ने कहा शिवलिंग के ऐतिहासिक महत्व को ध्यान में रखते हुए ऐसा लगता है कि इसे संरक्षित किया जाना चाहिए



और इसकी गहन जांच कराई जानी चाहिए। पुरातत्व विभाग और सम्बन्धित निकायों को यथाशीघ्र अध्ययन और संरक्षण प्रक्रिया शुरू करनी चाहिए। कपिलवस्तु संग्रहालय की प्रमुख शान्ति शर्मा के अनुसार ऐसा अनुमान है कि स्थानीय लोगों द्वारा तालाब से मिट्टी निकालते समय पाया गया शिवलिंग सम्भवतः मध्यकालीन काल का है। उन्होंने कहा कि शिवलिंग और उसके साथ मिले अर्घा से पता चलता है कि मध्यकाल में उस स्थान पर मंदिर रहा होगा। उन्होंने कहा कि शिवलिंग को संरक्षित करने के लिए स्थानीय लोगों से चर्चा चल रही है। ऐसा माना जाता है कि जिस तालाब में शिवलिंग मिला था, वह धीरे–धीरे मिट्टी से भर रहा है और दब गया है, इसलिए सम्भव है कि उसके नीचे कोई पुरातात्विक संरचना दबी हो। प्राप्त शिवलिंग की संरचना यह है कि अर्घा सहित निचला भाग 5 फीट 6 इंच व्यास का है, दूसरा भाग 45 इंच व्यास का है तथा ऊपरी और निचले भाग के बीच का अन्तर 3 इंच है। संग्रहालय प्रमुख शान्ति सेरमा ने बताया कि शिवलिंग (ऊपरी भाग) की ऊंचाई 16.5 इंच है और फिसलन वाले भाग की परिधि 5.5 इंच है।

# चिल्हिया पुलिस ने एक नफर वांछित अभियुक्त किया गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

चिल्हिया/सिद्धार्थनगर। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर डॉ0 अभिषेक महाजन के आदेश के क्रम में अपराध एवं अपराधियों



के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत एवं अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर सिद्धार्थ के पर्यवेक्षण में व क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ सुजीत राय के कुशल निर्देशन एवं थानाध्यक्ष चिल्हिया रामदेव के नेतृत्व में सोमवार को ग्राम लेदवा के सामने पक्की सड़क के किनारे बने तालाब के पास बढ़ेपुर गौरा रोड से चिल्हिया पुलिस द्वारा मु0अ0सं0 33/2025 धारा 303(2),61(2) उ0प्र0 व 3/5/8 उ0प्र0 गो वध निवारण अधिनियम से सम्बन्धित मुख्य अभियुक्त असगर उर्फ किनकिन जो दिनांक 5/6–04–25 की रात्रि में ग्राम बभड़ा बभड़ी में गोकशी की घटना किया था को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय भेजा गया। वहीं गिरफ्तार अभियुक्त असगर उर्फ किनकिन पुत्र कलीमन बंजारा निवासी गोपीजोत थाना मोहाना जनपद सिद्धार्थनगर है। अभियुक्त के पास से दो अदद छुरी, एक अदद नायलान की रस्सी और एक अदद लकड़ी का ढीहा बरामद हुआ। इस दौरान गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में थानाध्यक्ष चिल्हिया रामदेव, उप निरीक्षक सर्वेश चन्द, कांस्टेबल दिनेश यादव, कांस्टेबल आलोक यादव, कांस्टेबल सिकन्दर मौजूद रहे।

# स्मैक एवं अन्य सूखे नशे का शिकार हो रहे हैं बढ़नी के युवा, रेलवे स्टेशन के पीछे चल रहा स्मैक का कारोबार

दैनिक बुद्ध का संदेश

बढ़नी/सिद्धार्थनगर। बढ़नी एवं सीमा से सटे नेपाल का कस्बा कृष्णानगर इस समय नशे के रूप में बिकने वाले स्मैक का प्रमुख केंद्र बना हुआ है, दोनों देशों के युवा पीढ़ी नशे के इस कारोबार का शिकार हो रही है, नशे के चक्कर में कई युवा सड़को पर दिन रात दौड़ लगाते देखे जा सकते हैं, कितनों का परिवार एवं घर स्मैक इत्यादि के चक्कर में बर्बादी के कगार पर पहुंच चुका है। पुलिस एवं स्थानीय प्रशासन पर जब दबाव पड़ता है तो नशे के बड़े कारोबारियों के ऊपर धरपकड़ की जगह पीने के आदी एवं शिकार बने युवाओं को कुछ स्मैक के पुड़ियों के साथ पकड़ कर अपनी वाहवाही ले लेती है। जानकार बताते हैं कि स्मैक के कारोबार में कई गुना कमाई है, पिछले दस सालों के अंदर बढ़नी एवं आस पास नशे के कारोबार करने वाले अचानक मालामाल हुए हैं, कई व्हाइट कॉलर भी इस कारोबार में जुड़े



हुए हैं। ढेबरूआ थानाक्षेत्र के मधवानगर जाने वाली रोड के पास शाम होते एक मकान एवं रेलवे स्टेशन के पास युवाओं का ताता लगा रहता है, गोला बाजार, कल्लन डिहवा, एवं सीमावर्ती इलाके में शाम होते ही स्मैक का पुड़िया आसानी से मिल जाता है, 200 से 300 में इन युवाओं को आसानी से स्मैक की पुड़िया उपलब्ध हो जा रही है। 24 घंटे नशे के इस कारोबार का खुले पैमाने पर काम चल रहा है, स्मैक कारोबारी इतने सिस्टम से काम करते हैं वे प्रशासनिक पकड़ से बाहर रहते हैं, कई तो कैमरे से मानीटरिंग करके घर से बाहर वालों को देखकर कन्फर्म करने के बाद ग्राहकों को स्मैक उपलब्ध कराते हैं, क्षेत्र में नशे का बड़ा सिंडिकेट काम कर रहा है, पुलिस द्वारा इन अड्डों पर पिछले महीने कई बार छापा भी मारा गया है, लेकिन कोई बरामदगी फिलहाल नहीं हो पाई, प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था को खुले रूप से बेच रहे स्मैक कारोबारी चैलेंज दे रहे हैं, क्षेत्र के लोगों ने स्मैक के बड़े कारोबारियों के खिलाफ कार्यवाही करने एवं युवाओं को नशे से बचाने के लिए अभियान चलाने की मांग की है।

# सीओ द्वारा चौकी कोटिया पर एसएसबी व नेपाल पुलिस के अधिकारियों के साथ की बैठक

दैनिक बुद्ध का संदेश

कोटिया/सिद्धार्थनगर। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर डॉ0 अभिषेक महाजन के आदेश के क्रम में एवं अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर सिद्धार्थ के निर्देशन में रविवार को क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ सुजीत राय द्वारा थाना शोहरतगढ़ के चौकी कोटिया में संयुक्त बैठक का आयोजन किया गया। वहीं क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ सुजीत राय ने एसएसबी व नेपाल पुलिस के साथ भारत–नेपाल बार्डर पर पैदल गश्त किया गया। इस बैठक व पैदल गश्त में एसएसबी के अधिकारियों, नेपाल पुलिस के अधिकारियों, स्थानीय पुलिस बल के अधिकारियों व कर्मचारियों ने भाग लिया। बैठक का मुख्य उद्देश्य भारत–नेपाल सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ करना, आपसी समन्वय बढ़ाना तथा सीमावर्ती क्षेत्रों में शान्ति और कानून व्यवस्था बनाये रखना था।

# जिलों में पुलिस प्रशासन की मिलीभगत से धड़ल्ले से हो रहा है अवैध मिट्टी खनन

## इस समय जनपद के अवैध खनन माफियाओं की है बल्ले-बल्ले, शासन प्रशासन खामोश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जनपद सिद्धार्थनगर में पुलिस प्रशासन





की मिलीभगत से धड़ल्ले से अवैध मिट्टी खनन हो रहा है और खनन माफियाओं के हौसले बुलन्द हैं। आपको बता दें कि डुमरियागंज तहसील अन्तर्गत थाना क्षेत्र इटवा के कटया गांव के दक्षिणी नदी किनारे, तहसील बांसी अन्तर्गत मुक्तिधाम के आगे महदवा देवपुर सिवान व जनियाजोत गांव के आस–पास में तहसील इटवा अन्तर्गत थाना क्षेत्र मिश्रौलिया के गोनरा गांव के सिवान में व थानाक्षेत्र कठेला समयमाता के कठेला आस–पास के सीवान में, तहसील नौगढ़ अन्तर्गत थानाक्षेत्र कपिलवस्तु के भरवठिया व थानाक्षेत्र लोटन के आस–पास के सीवान में साथ ही तहसील शोहरतगढ़ अन्तर्गत ब्लाक शोहरतगढ़ के जगरगठिया के समीप व बढ़नी ब्लाक के चरिगहवा नदी व टीसस नदी के नजदीक के टावरे में तेजी से अवैध खनन जारी है। वहीं हर साल बाढ़ से नदी किनारे के गांव जूझ रहे हैं, लेकिन तट की मिट्टी बेखौफ निकाली जा रही है। सूत्रों की मानें तो खनन के लिए परमिशन एक जगह की होती है परन्तु परमिशन को लेकर कई जगह पर अवैध खनन चलता है। आपको बता दें कि सख्ती को लेकर पुलिस प्रशासन द्वारा जेसीबी सहित ट्रेक्टर ट्राली पकड़ा गया था, जो परमिशन कहीं का था और खनन कहीं हो रहा था। वहीं खनन पर आधिकारिक रोक के बावजूद तहसील और थाना के जिम्मेदारों की मिलीभगत से खनन माफिया बेखौफ हैं। सूत्रों की मानें तो पुलिस कर्मियों व राजस्व अफसरों को 13,000 से 15,000 सेटिंग देकर खनन धुलेआम हो रहा है। वहीं पुलिस और राजस्व अधिकारियों को सेटिंग न देने वालों की गाड़ी पकड़कर 15,000 से 10,000 लेकर गाड़ी छोड़ी जाती है। वहीं ग्रामीणों का आरोप है कि जिम्मेदारों की आंखों के सामने लूट जारी है और कोई रोकने वाला नहीं है। वहीं पर्यावरण, तटीय सुरक्षा व आजीविका पर खतरा गहराया और प्रशासन मौन है। क्षेत्र में खनन माफिया की मशीनें व डंपर सक्रिय हैं और शिकायतों के बावजूद कार्रवाई नदारद है।

# राष्ट्र के लिए आदर्श और चरित्रवान नागरिक तैयार करती है – प्राचार्य

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। स्थानीय शिवपति स्नातकोत्तर महाविद्यालय में बीएड अनिवार्य स्काउट गाइड प्रशिक्षु प्रशिक्षण शिविर सोमवार को महाविद्यालय के सभागार में शुरू हुआ। भारत स्काउट एवं गाइड उत्तर प्रदेश प्रादेशिक मुख्यालय लखनऊ के निर्देशन में सहायक प्रादेशिक संगठन आयुक्त स्काउट बस्ती मंडल बस्ती नौशाद अली सिद्दीकी के दिशानिर्देशों के क्रम में शिवपति स्नातकोत्तर महाविद्यालय में बीएड अनिवार्य स्काउट गाइड प्रशिक्षु प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन महाविद्यालय के यशस्वी प्राचार्य प्रो0 अरविन्द कुमार सिंह ने मां सरस्वती के चरणों में पुष्प अर्पित करते हुए किया। प्राचार्य ने अपने सम्बोधन में कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण से सभी



छात्र–प्राध्यापक एवं छात्र प्राध्यापिकाओं का 06 दिवसीय प्रशिक्षण में सर्वांगीण विकास होगा और इससे युवाओं में साहस, स्वावलम्बन एवं सेवा भाव तथा राष्ट्रीयता की भावना जागृत कर समाज तथा राष्ट्र के लिए आदर्श और चरित्रवान नागरिक तैयार करती है। महाविद्यालय के रोवर्स रेंजर्स प्रभारी डॉ0 प्रवीण कुमार ने महाविद्यालय परिवार का स्वागत एवं अभिनन्दन किया। प्रादेशिक मुख्यालय के आदेश के क्रम में लगे शिविर संचालक, सहायक लीडर स्काउट ट्रेनर अमित कुमार शुक्ल ने शिविर के पहले दिन स्काउटिंग और गाइडिंग के टोलियों का विभाजन, टोली नियम, उद्देश्य, सिद्धार्थ नियम प्रतिज्ञा आदि की जानकारी दी। इस अवसर पर महाविद्यालय शिक्षक परिवार से प्रो0 (मेजर) मुकेश कुमार, डॉ0 विनोद कुमार सिंह, डॉ0 अरविन्द कुमार सिंह, डॉ0 रामकिशोर सिंह, डॉ0 उमाशंकर यादव आदि ने अपने–अपने विचार रखते हुए प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी एवं शिविर की सफलता की कामना की। इस शिविर में महाविद्यालय के बीएड विभाग के छात्र प्राध्यापक एवं छात्र प्राध्यापिकाओं ने प्रतिभाग किया।

# मिश्रौलिया पुलिस ने चेकिंग के दौरान 01 क्विंटल लहन किया नष्ट

दैनिक बुद्ध का संदेश

मिश्रौलिया/सिद्धार्थनगर। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर डॉ0



अभिषेक महाजन के आदेश के क्रम में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत एवं अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर सिद्धार्थ के कुशल पर्यवेक्षण में व क्षेत्राधिकारी इटवा शुभेन्दु सिंह के कुशल निर्देशन में एवं थानाध्यक्ष मिश्रौलिया नारायन लाल श्रीवास्तव मय टीम द्वारा सोमवार को ग्राम सोनौली नानकार स्थित नदी के किनारे दबिश दिया गया। तलाशी के दौरान करीब अवैध शराब बनाने की सामग्री करीब 01 क्विंटल लहन नष्ट किया गया। इस दौरान पुलिस टीम में थानाध्यक्ष नारायन लाल श्रीवास्तव, उप निरीक्षक सुदीप कुमार यादव, मुख्य आरक्षी पंकज दूबे, राकेश कुमार, उमेश यादव, आरक्षी कुलभास्कर, महिला आरक्षी अनुराधा गुप्ता मौजूद रहीं।

# पर्यावरण प्रेमी द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश





डुमरियागंज। सोमवार को डुमरियागंज तहसील परिसर में पूर्व में रोपित पौधों की देखभाल के लिए लखनऊ से आए पर्यावरण प्रेमी कुंवर सोनू भास्कर डुमरियागंज पहुंचे। यहीं उन्होंने डुमरियागंज पुलिस क्षेत्राधिकारी कार्यालय परिसर में आम व आंवला का पौधा रोपण किया गया। साथ ही उनके संरक्षण के लिए दर्जनों लोगों को सपथ भी दिलाई। इस मौके पर उपजिलाधिकारी डुमरियागंज डा0 संजीव दिक्षित ने कहा कि पौधे रोपड़ करना व उनकी देखभाल करना हमारी जिम्मेदारी है। अगर हम पौधे को लगाकर छोड़ देंगे और उनकी देखभाल नहीं करेंगे तो वे खत्म हो जाएंगे। इस लिए पौधों की देखभाल परिवार की तरह होनी चाहिए। वहीं पुलिस क्षेत्राधिकारी बृजेश वर्मा ने कहा कि ज्यादा से पौधा रोपण करें और स्वस्थ रहें। वहीं पर्यावरण प्रेमी सोनू भास्कर ने कहा 2019 से हम अपने साथियों के साथ पौधों का वृक्षारोपण कर रहे हैं। लोगों को पर्यावरण को संरक्षित करने के बाद पहले हमें पौधे लगाने चाहिए और उनकी देखभाल में कोई कसर नहीं छोड़नी चाहिए। पिछले वर्ष जब हम डुमरियागंज उपजिलाधिकारी के आवास पर जो पौधे जन कल्याण समिति व हमारे द्वारा रोपित किए गए थे। हम उन्हीं के देखभाल के लिए आए हैं और डुमरियागंज में पौधा लगाने का मेरा उद्देश्य है कि पर्यावरण के प्रति लोगों को जागरूक करना और पौधों को संरक्षित करना है। इस अवसर पर स्वामी आलोकानंद जी महाराज, वन विभाग के चंद्रिका प्रसाद, बजरंगी शर्मा, गौरव सोनी, सच्चिदानन्द मिश्रा सहित भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

# हत्या के आरोपी चार अभियुक्त चढ़े पुलिस के हत्थे

दैनिक बुद्ध का संदेश

इटवा/सिद्धार्थनगर। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर डॉ0 अभिषेक महाजन के आदेश के क्रम में





अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत एवं अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर सिद्धार्थ के कुशल पर्यवेक्षण में व क्षेत्राधिकारी इटवा शुभेन्दु सिंह के कुशल पर्यवेक्षण में एवं प्रभारी निरीक्षक इटवा श्याम सुन्दर तिवारी मय टीम द्वारा थाना स्थानिय पर पंजीकृत मु0अ0सं0–78/2025 धारा 191(2)/191(3)/115(2)/352/351(3)/105/110 बीएनएस से सम्बन्धित 04 नफर अभियुक्तों को सोमवार को ग्राम पकड़ी शुक्ल से गिरफ्तार किया गया। आवश्यक विधिक कार्यवाही पूर्ण कर मा0 न्यायालय भेजा गया। वहीं गिरफ्तार अभियुक्तों में क्रमशः बलिराम गिरी उर्फ झुकाऊ पुत्र बदलू गिरी उर्फ बड़े, बदलू गिरी उर्फ बड़े पुत्र गुरे गिरी, धनीराम गिरी उर्फ नरदाहे पुत्र बदलू गिरी उर्फ बड़े व रमेश गिरी उर्फ छोटकू पुत्र धनीराम गिरी उर्फ नरदाहे निवासी पकड़ी शुक्ल थाना इटवा जनपद सिद्धार्थनगर है। इस दौरान गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक इटवा श्याम सुन्दर तिवारी, उप निरीक्षक जय प्रकाश पाण्डेय, उप निरीक्षक नागेन्द्र सिंह, आरक्षी प्रवीन कुमार, संजीव कुमार, अमित वर्मा मौजूद रहें।

# 13 वर्षीय किशोरी लापता, गुमशुदा की तलाश जारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

इटवा/सिद्धार्थनगर। थाना क्षेत्र इटवा के एक किशोरी लापता हो गया है, जिसकी तलाश जारी है। आपको बता दें कि थाना क्षेत्र इटवा के जोलहाभारी गांव निवासिनी कुशलावती पत्नी अर्जुन कुमार ने बताया कि 13 वर्षीय पुत्री रोशनी वरुण अपने विद्यालय राजदेई देवी इन्टर कालेज नजीरा सिद्धार्थनगर पढ़ने गई थीं, जो अभी तक लौटकर वापस घर नहीं आई है। वहीं रोशनी वरुण का हुलिया ने रंग सांवला, आंख नाक कान



औसत दुबला पतला वजन कद 3 फुट 8 इंच और पहनावे में समीज नीला और सलवार दुपट्टा सफेद चप्पल स्लीपर पहन रखी है। वहीं पुत्री रोशनी वरुण के लापता होने से माता और पिता बहुत ही परेशान है। पीड़ित माता और पिता ने आप सभी से विनती करते हुए कहा कि अगर यह किशोरी (रोशनी वरुण) कहीं भी दिखाई दे या किसी के साथ में हो तो (6393414522) इस नम्बर पर सम्पर्क करके बता दें।

# बढ़नी उपकेंद्र पर ट्रिपल ए की बैठक आयोजित

दैनिक बुद्ध का संदेश

डुमरियागंज। स्वास्थ्य विभाग की योजना को और गतिशील बनाने हेतु आशा, आंगनबाड़ी, एएनएम के संयुक्त बैठक ट्रिपल ए बढ़नी उप केंद्र पर आयोजित किया गया। बैठक में एएनएम संध्या वर्मा द्वारा सभी आशाओं की सर्वे अपडेटेड ड्यू लिस्ट वे परिवारों का टीकाकरण एवं आभा कार्ड की स्थिति ज्ञात की गई। इस मौके पर ब्लॉक अख्तर बीएमसी यूनिसेफ द्वारा



समस्त आंगनबाड़ी का टीकाकरण रजिस्टर एवं सैम मैम वाले बच्चों की स्थिति का आकलन किया गया। सी एच ओ पूजा द्वारा सभी को यह बताया गया कि क्या उपकेन्द्र स्तर पर आयुष्मान आरोग्य मंदिर में पर्याप्त दवा मौजूद है ग्रामवासी अपने स्वास्थ्य संबंधित समस्याएं को भी आकर दूर कर सकते हैं। बैठक में मुख्य रूप से कातनर संगिनी राधिका, आशा अंबिका देवी, नीलम, पूनम, मधुरी देवी, माधुरी श्रीवास्तव, पुष्पावती आदि मौजूद रहे।

# सम्पादकीय

**अकेले वर्ष 2022 में 77 हजार पैदल यात्रियों के साथ हुई दुर्घटना में करीब 32,797 की मृत्यु हुई और 34 हजार गंभीर रूप से घायल हुए। निस्संदेह, कोर्ट ने पैदल चलने वाली करोड़ों की मूक बिरादरी को संवैधानिक आवाज देने देने की सार्थक पहल की है। विडंबना यह है कि देश की राजधानी दिल्ली में अस्सी फीसदी पैदल मार्गों पर रेहड़ी–पटरी वालों, ...**

## कोर्ट ने कहा, पैदल रास्ता संवैधानिक अधिकार

सड़क पर तेज रफ्तार दौड़ती कारों और अतिक्रमण की भेंट चढ़े फुटपाथों पर पैदल यात्रियों का चलना अब दुश्वार हो चला है। यही वजह है कि बुजुर्ग लोग सड़कों पर आने से डरते हैं और घरों तक सिमटकर रह जाते हैं। वे फुटपाथ न होने के कारण सड़कों पर चलते हैं और अनियंत्रित गति वाले वाहनों के शिकार हो जाते हैं। अदालत में दिए गए एक आंकड़े के अनुसार सड़क दुर्घटनाओं में मरने वाले करीब बीस फीसदी लोग पैदल यात्री होते हैं। इन हालात में दिव्यांग लोग कैसे सड़कों पर निकल सकते हैं, ये कल्पना से परे है। देश के करोड़ों मूक पैदल यात्रियों को आवाज देने के मकसद से सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति ए.एस. ओका और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की खंडपीठ ने सख्त लहजे में कहा कि फुटपाथ की सुविधा लोगों का संवैधानिक अधिकार है। पीठ ने केंद्र व राज्यों को कहा कि दो महीने में सुनिश्चित करें शहरों व गांवों में पैदल चलने वालों के लिये साफ, अतिक्रमण मुक्त और दिव्यांगों के अनुकूल फुटपाथ उपलब्ध हों। सभी सार्वजनिक सड़कों पर उपयुक्त फुटपाथ बनाना और उनसे अतिक्रमण हटाना अनिवार्य है। कोर्ट ने केंद्र व राज्य सरकारों से कहा कि वे बताएं पैदल यात्रियों के अधिकारों की रक्षा के लिए उसके पास क्या नीति है। कोर्ट ने दो महीने में रिपोर्ट देने को कहा है। शीर्ष अदालत ने मुंबई हाईकोर्ट की ओर से पहले से जारी दिशा–निर्देशों को आदर्श मानते हुए अन्य राज्यों से इसे अपनाने को कहा। दरअसल, कोर्ट भी इस बात से सहमत दिखा कि जब फुटपाथ नहीं होते तो गरीब, बुजुर्ग,बच्चे और दिव्यांगजन मजबूरी में सड़कों पर चलते हैं। वे भीड़भाड़ में हादसों का शिकार हो जाते हैं। अदालत ने कहा कि यह केवल यातायात का मुद्दा नहीं है,यह जीवन का अधिकार है। ये उन करोड़ों भारतीयों के लिए एक उम्मीद है जो जान जोखिम में डालकर सड़कों पर चलते हैं। अब हर कदम पर सुरक्षित और जीवन की अहमियत होनी चाहिए। निस्संदेह, देश में फुटपाथों की दुर्दशा, अतिक्रमण और दिव्यांगों की लाचारी किसी से छिपी नहीं है। अकेले वर्ष 2022 में 77 हजार पैदल यात्रियों के साथ हुई दुर्घटना में करीब 32,797 की मृत्यु हुई और 34 हजार गंभीर रूप से घायल हुए। निस्संदेह, कोर्ट ने पैदल चलने वाली करोड़ों की मूक बिरादरी को संवैधानिक आवाज देने देने की सार्थक पहल की है। विडंबना यह है कि देश की राजधानी दिल्ली में अस्सी फीसदी पैदल मार्गों पर रेहड़ी–पटरी वालों, दुकानदारों व गाड़ी वालों ने कब्जा कर रखा है। इस वर्ष इन माह करीब 48 पदयात्री, सड़क दुर्घटना में मारे गए। यही वजह है कोर्ट ने फुटपाथ को संवैधानिक अधिकार बताते हुए इसे संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत गारंटीशुदा बताया। जिसे केंद्र व राज्य सरकारों को पैदल यात्रियों के लिये इसे सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने केंद्र सरकार को राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा बोर्ड के गठन के लिए सिर्फ छह माह का समय दिया है।

## बड़े मंगलवार को श्रीहनुमान चालीसा का पाठ अवश्य करें

आज ज्येष्ठ माह का बड़ा मंगलवार है। श्रीहनुमान जी महाराज सर्व शक्तिमान हैं। तो याद आया, श्री गुरु चरण सरोज रज, निज मन मुकुर सुधार। जी हां श्री हनुमान चालीसा के बारे में बात हो रही है। श्री हनुमान जी महाराज सार्वकालिक नायक इसलिए हैं क्योंकि श्रीहनुमान जी महाराज भक्त शिरोमणि हैं। अपने आराध्य प्रभु श्रीराम के भक्त होने के कारण वे लोक द्वारा पूजित हैं। श्रीहनुमान जी महाराज बल, बुद्धि और विद्या प्रदान करने वाले देवता हैं। गहरे अंधकार में डूबे हुए मध्यकालीन भारत में हिंदू चेतना को जगाने वाले महाकवि गोस्वामी तुलसीदास जी हैं। श्रीरामचरितमानस और श्रीहनुमान चालीसा रचकर उन्होंने तत्कालीन हिन्दू जनता पर बड़ा भारी उपकार किया। हिंदुओं को हिंदू बने रहने की चाहत का मार्ग सुझाया। मध्यकालीन भारत से लेकर समकालीन भारत तक में श्रीहनुमान चालीसा ने हिंदुओं में आत्मबल और स्वाभिमान का भावबोध जागृत किया। इन अर्थों में एक अद्वितीय कार्य है। आप देखिए तो पाएंगे कि श्रीहनुमान चालीसा का हनुमान चालीसा का पाठ करने से कई तरह के लाभ मिलते हैं। श्रीहनुमान जी ने स्वयं की उपस्थिति से श्रीहनुमान चालीसा का लेखन करवाया। इसीलिए भूत, पिशाच से लड़ने की शक्ति भी इस बूटी नुमा काव्य में अंतर्निहित है। प्रिय पाठकों हनुमान चालीसा में हनुमान जी की शक्ति है। हनुमान चालीसा का पाठ करने से मन शांत होता है, तनाव दूर होता है, और भय से छुटकारा मिलता है। प्रतिदिन हनुमान चालीसा का पाठ करने से कई प्रकार के लाभ होते हैं। हनुमान चालीसा का पाठ करने से भक्तों की मनोकामनाएं पूरी होती हैं। व्यक्ति की परेशानियां और कठिनाइयां दूर होती हैं और इसके साथ ही उनका आत्मविश्वास बढ़ता है। जैसा कि सर्वविदित है कि हनुमान चालीसा एक लोकप्रिय भजन है। कहा जाता है कि इसका पाठ करने से भय दूर होता है और क्लेश मिटते हैं। हनुमान चालीसा का पाठ करने से कई प्रकार के लाभ होते हैं। व्यक्ति कितने भी संकट में क्यों न घिरा हो, वह हनुमान चालीसा के नियमित पाठ से निजात पा जाता है।

लेखक विनय कांत मिश्र/ दैनिक बुद्ध का संदेश

## हार को शिक्षक मान जीत की संभावना तलाशें

**हम सभी अपने जीवन में कभी न कभी असफलता देखते हैं। यह असफलता एक परीक्षा में भी हो सकती है किसी रिश्ते में, करिअर में या आत्मसंघर्ष के किसी गहरे मोड़ पर भी हो सकती है। इसमें निराश होने की आवश्यकता नहीं है। यह तो आत्ममंथन का अवसर है। जब हम असफलताओं से टूट रहे होते हैं तो हमारे अंतर्मन से एक आवाज आती है, 'उत्साह और धैर्य के साथ पुन: प्रयास करो...**

डॉ. मधुसूदन शर्मा

जीवन एक यात्रा है–कभी सहज, तो कभी जटिल। जीवन यात्रा में जितनी सफलता की ऊंचाइयां हैं उतनी ही हार की गहराइयां भी हैं। जब कोई व्यक्ति अपने जीवन में हार का सामना करता है तो उसका सबसे पहला स्वाभाविक भाव निराशा होता है। अपनी पराजय के लिए या तो हम हम स्वयं को दोष देने लगते हैं या फिर परिस्थितियों को कोसते हैं। लेकिन यदि हम थोड़ा धैर्य रखें तो पाएंगे कि हार केवल एक रुकावट नहीं बल्कि कुछ सीखने का अवसर है। यह हमारे दृष्टिकोण, योजनाओं तथा आत्ममूल्यांकन को गहराई से देखने का समय होता है।



हमारे समाज में हार को नकारात्मकता से देखा जाता है। बच्चों को बचपन से ही यह सिखाया जाता है कि सिर्फ जीतना ही महत्वपूर्ण है। समाज में कभी भी हार की स्वीकार्यता नहीं रही। जबकि सच्चाई यह है कि पराजय आत्मदृष्टि का अवसर प्रदान करती है। यह संकेत देती है कि कहीं कुछ अधूरा रह गया है–संभवत हमारी तैयारी में, दृष्टिकोण में या आत्मविश्वास की दृढ़ता में। जब हम हार को एक शिक्षक के रूप में स्वीकार करते हैं, तब हम उसके अंदर निहित सफलता की संभावनाओं की तलाश कर पाते हैं।

इतिहास साक्षी है कि सफलता की नींव अक्सर असफलताओं की ईंटों से रखी जाती है। अब्राहम लिंकन ने कई चुनाव हारे। व्यापार में असफल रहे। लेकिन अंतत: वह अमेरिका के सबसे प्रतिष्ठित राष्ट्रपति बने। हैरी पॉटर की लेखिका जे. के रोलिंग को तमाम प्रकाशकों ने अस्वीकार कर दिया था। पर उन्होंने हार नहीं मानी। उन्होंने अपने आत्मविश्वास को बना प्रयत्न जारी रखा। अंतत: एक छोटे से प्रकाशक ब्लूम्सबरी ने उनकी पांडुलिपि को स्वीकृति दे दी और वह इतिहास बन गया। वह कहती थीं, यदि आपका विश्वास अडिग है तो अस्वीकृतियां केवल सीढ़ियां है सफलता की ओर।

अगर हम सफल होना चाहते हैं तो असफलता की चेतना को आश्रय न दें। असफलता तब ही स्थाई बनती है,जब हम उसे भीतर बसा लेते हैं। एक असफल प्रयास को यदि हम आत्म छवि में बदल लें, तो वह हमें भीतर से खोखला कर देती है। लेकिन यदि हम उसे केवल एक अनुभव मानें, एक पाठ की तरह ग्रहण करें तो वह हमें मजबूत बनाता है। चेतना की दिशा ही हमारे जीवन की दिशा तय करती है। इसलिए मन में यह दृढ़ विश्वास होना चाहिये कि आप असफल नहीं हैं।

परमहंस योगानन्द जी का एक प्रेरणादायक कथन है– असफलता का समय ही सफलता के बीज बोने के लिए सर्वोत्तम समय है। यह कथन जीवन के गहरे सत्य को उजागर करता है। जीवन के सबसे कठिन क्षणों में हमारा अंतर्मन सबसे अधिक उपजाऊ भूमि होती है। इस समय आत्मविश्वास, धैर्य और विवेक के बीज बोए जा सकते हैं। ये बीज एक दिन सफलता के वटवृक्ष बनते हैं। हमारी संस्कृति और अध्यात्म भी हमें सिखाते हैं कि असफलता कोई स्थाई स्थिति नहीं होती, बल्कि यह आत्मविश्लेषण, आत्मसुधार और आत्मोत्थान का एक अवसर होती है। श्रीराम का वनवास एक हार नहीं, बल्कि दिव्य जीवन के नए अध्याय की शुरुआत थी। महाभारत के कुरुक्षेत्र की रणभूमि में अर्जुन का मोह युद्ध से पहले ही पराजय लगता है पर वह विषाद गीता के ज्ञान का द्वार बन गया।

ये सभी उदाहरण बताते हैं कि असफलताओं के पीछे असीम सफलताओं की संभावना छिपी होती है। यहां परमहंस योगानन्द जी का यह कथन मार्गदर्शक बनता है, 'जब असहनीय चुनौतियों का पहाड़ आप पर टूट पड़े तब साहस और सूझबूझ न खोएं। अपनी अन्तर्ज्ञानजनित सहज बुद्धि तथा ईश्वर में आस्था को सक्रिय रखिए, उस संकट से बच निकलने का कोई न कोई रास्ता खोजने का प्रयास कीजिए। चाहे वह रास्ता कितना भी असंभव क्यों न लगे और आपको मार्ग मिल जाएगा। अंत में सब ठीक हो जाएगा क्योंकि परमात्मा ने जीवन के क्षणभंगुर अनुभवों में दिखने वाले सतही विरोधाभासों के पीछे अपना वरदान छिपा कर रखा हुआ है। अपनी सभी समस्याओं का समाधान प्राप्त करने के लिए परमात्मा की सहायता लें।

हम सभी अपने जीवन में कभी न कभी असफलता देखते हैं। यह असफलता एक परीक्षा में भी हो सकती है किसी रिश्ते में, करिअर में या आत्मसंघर्ष के किसी गहरे मोड़ पर भी हो सकती है। इसमें निराश होने की आवश्यकता नहीं है। यह तो आत्ममंथन का अवसर है। जब हम असफलताओं से टूट रहे होते हैं तो हमारे अंतर्मन से एक आवाज आती है, 'उत्साह और धैर्य के साथ पुन: प्रयास करो।

यह असफलता तुम्हारे लिए ऊपर उठने का एक अवसर है। मनुष्य का अंतर्मन अद्भुत क्षमता से युक्त होता है। जैसे ही कोई असफलता जीवन यात्रा का एक द्वार बंद करती है, अंतर्मन सफलता की खिड़की खोल देता है। जब अंतर्मन कुछ करने के लिए संकल्प लेता है तो सारा ब्रह्मांड उसकी सहायता करने लगता है।

## सप्त पुरियो में' अवन्तिका अर्थात आधुनिक उज्जैन का महत्व

महाकाल की ये नगरी उज्जैन प्राचीन भारत का साम्राज्य दुनिया के सबसे समृद्ध और शक्तिशाली साम्राज्यों में से एक था। 3,500 से ज्यादा सालों तक फैली यह विशाल सभ्यता अपनी अद्भुत वास्तुकला, कला और साहित्य के लिए मशहूर है।

आइए प्राचीन भारत के बारे में विस्तृत जानकारी लें, इसकी उत्पत्ति से लेकर इसके अंतिम पतन तक। हम उन प्रमुख खिलाड़ियों और घटनाओं पर भी चर्चा करेंगे, जिन्होंने इसके स्वर्ण युग को जन्म दिया और इस उल्लेखनीय साम्राज्य के कुछ उल्लेखनीय पहलुओं पर प्रकाश डालेंगे। अवंती का राज्य क्या था? अवंती प्राचीन भारत के राज्य का एक हिस्सा था। यह मध्य भारत में स्थित था। यह क्षेत्र अब मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र राज्यों का हिस्सा है। अवंती का उल्लेख सबसे पहले हिंदू महाकाव्य महाभारत में मिलता है जिसकी रचना 400–200 ई.पू. के बीच हुई थी। बाद में इस राज्य का उल्लेख बौद्ध धर्मग्रंथों में मिलता है, जो चौथी शताब्दी ई.पू. के हैं। अवंती राजा पृथ्वीराज द्वितीय के शासन में अपने चरम पर पहुंच गया, जिन्होंने 1178 से 1192 तक शासन किया। राजा कला के संरक्षक थे और उन्हें अवंती में कुछ सबसे खूबसूरत मंदिरों के निर्माण का श्रेय दिया जाता है प्राचीन भारत के साम्राज्य का इतिहास– प्राचीन भारत के साम्राज्य का इतिहास 4,500 साल से भी पहले का है। इस समय के दौरान, वह क्षेत्र जिसे अब भारत के नाम से जाना जाता है, कई छोटे–छोटे राज्यों में बंटा हुआ था। इनमें से पहला राज्य वैदिक युग था, जिसकी स्थापना वैदिक लोगों ने की थी। वैदिक युग महान सांस्कृतिक और तकनीकी नवाचार का समय था। अन्य बातों के अलावा, इस युग में लेखन, कृषि और पहिये का विकास हुआ। वैदिक युग के बाद अंधकार युग आया, जो बहुत अस्थिरता और अराजकता का समय था। इस काल में कई राज्यों का पतन हुआ और नए राज्यों का उदय हुआ। अंधकार युग के अंत में, चंद्रगुप्त मौर्य नामक एक महान राजा सत्ता में आया और उसने अपने शासन के तहत अधिकांश राज्यों को एकजुट किया। चन्द्रगुप्त मौर्य एक महान निर्माता थे और उन्होंने कई महत्वपूर्ण सुधार शुरू किये, जिनमें डाक सेवा की स्थापना और सड़कों का निर्माण शामिल था।

अवंती एक समृद्ध साम्राज्य– अवंती, एक समृद्ध राज्य, प्राचीन भारत में एक छोटा लेकिन समृद्ध राज्य था। अपनी रणनीतिक स्थिति के कारण, अवंती समृद्ध और विकसित होने में सक्षम था। यह राज्य अपने वाणिज्य और व्यापार के लिए जाना जाता था, और इसकी राजधानी, उज्जैन, संस्कृति और शिक्षा का एक प्रमुख केंद्र था। अवंती में बड़ी संख्या में मंदिर और पवित्र स्थल भी थे। अवंती साम्राज्य कहां स्थित था?– अवंती भारत के मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के आधुनिक राज्यों में स्थित था। यह क्षेत्र अपने व्यापार मार्गों और सोने के विशाल उत्पादन के लिए प्रसिद्ध था। अवंती की राजधानी उज्जैन थी, जो आज भी भारत का एक महत्वपूर्ण शहर है। अवंती साम्राज्य पर किसने शासन किया?– अवंती राज्य पर कई राजवंशों ने शासन किया। पहला राजवंश मौर्य वंश था, जिसकी स्थापना चंद्रगुप्त मौर्य ने 322 ईसा पूर्व में की थी। मौर्य वंश के बाद शुंग वंश आया, जो 185 ईसा पूर्व से 73 ईसा पूर्व तक चला। शुंग वंश की जगह कण्व वंश आया, जो 73 ईसा पूर्व से 30 ईसा पूर्व तक चला। कण्व वंश के बाद गुप्त वंश आया जो 320 से 550 ई. तक चला। अवंती राज्य के प्रमुख शहर कौन से थे? – अवंती राज्य छठी और सातवीं शताब्दी ई. के दौरान एक प्रमुख राजनीतिक शक्ति थी। इसकी राजधानी उज्जैन, वाणिज्य और संस्कृति का एक प्रमुख क्षेत्रीय केंद्र था। राज्य के अन्य महत्वपूर्ण शहरों में महिष्मति, मालवा और पद्मावती शामिल थे। अवंती अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के लिए जाना जाता था, जिसे इसकी कला, वास्तुकला और साहित्य के माध्यम से व्यक्त किया गया था। यह राज्य कई महत्वपूर्ण धार्मिक स्थलों का भी घर था, जिसमें उज्जैन में महाकाल मंदिर और गुजरात में सोमनाथ मंदिर शामिल हैं। अवंती साम्राज्य की संस्कृति कैसी थी?– अवंती एक बहुत ही सुसंस्कृत राज्य था। यहाँ के लोग अपनी कला, साहित्य और संगीत के लिए जाने जाते थे। दरबार शिक्षा का केंद्र था और यहाँ कई महान विद्वान और कलाकार पैदा हुए थे। अवंती अपने खूबसूरत महलों और मंदिरों के लिए भी जाना जाता था। अवंती राज्य एक राजतंत्र था जो हिंदू धर्म का पालन करता था लोगों को राज्य छोड़ने की अनुमति नहीं थी, और सारा व्यापार सरकार के माध्यम से किया जाता था। यह राज्य लगभग 600 वर्षों तक फला–फूला। अवंति के राजा विन्द और अनुविन्द कुरुक्षेत्र युद्ध में अवंती साम्राज्य भारत के पश्चिमी भाग में स्थित था और इस पर दो राजा विंदा और अनुविंदा का शासन था। अवंती साम्राज्य शक्तिशाली था और अपनी उत्कृष्ट घुड़सवार सेना के लिए जाना जाता था। कुरुक्षेत्र युद्ध में पांडवों को हराने में अवंती घुड़सवार सेना ने अहम भूमिका निभाई थी। अंतत: अवंती राज्य पर पांडवों ने कब्जा कर लिया और उसके राजाओं को मार डाला गया। कुरुक्षेत्र युद्ध में अवंती राजा विन्द और अनुविन्द ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। निष्कर्ष – अवंती हिन्द अर्थव्यवस्था में एक प्रमुख खिलाड़ी था, और इसकी विरासत आज हिन्द के संगठन में देखी जा सकती है।



अवंती के राजा विंदा और अनुविंदा ने कुरुक्षेत्र युद्ध में दुष्ट कौरवों के खिलाफ बहादुरी से लड़ाई लड़ी। वे अपने विरोधियों को हराने और देश में शांति बहाल करने में सक्षम थे। उनके साहस और बहादुरी की बदौलत कुरुक्षेत्र के लोग सद्भाव और समृद्धि में रह सकते हैं। हिंदू महाकाव्य महाभारत में वर्णित अवंती राज्य, भारत के वर्तमान मध्य प्रदेश राज्य में स्थित था। यह क्षेत्र अपनी समृद्ध संस्कृति और प्राकृतिक संसाधनों की प्रचुरता के लिए जाना जाता था। हालांकि अवंती साम्राज्य अब इतिहास का हिस्सा बन चुका है, लेकिन यह भारतीय संस्कृति और पौराणिक कथाओं का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बना हुआ। उज्जैन का अन्य इतिहास– उज्जैन का इतिहास चौथी शताब्दी से शुरू होता है जब महान सम्राट अशोक ने इस शहर पर शासन किया था और यह अवंती साम्राज्य की राजधानी थी, जिसके कारण इसे अवंतिका नाम दिया गया था। यह वह समय था जब हिंदू भूगोल कैलेंडर की पहली मध्याह्न रेखा को उज्जैन से गुजरने के रूप में चिह्नित किया गया था। मौर्य शासक के पतन के बाद, शुंग और सातवाहनों ने शहर पर शासन किया और फिर शक आए जिन्होंने दूसरी से चौथी शताब्दी ई. तक यहाँ शासन किया। बाद में, चंद्रगुप्त द्वितीय ने 5 वीं और 6 वीं शताब्दी के दौरान शहर पर शासन किया और यह खगोल विज्ञान और ज्योतिष के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण केंद्र बन गया। प्रसिद्ध गणितज्ञ ब्रह्मगुप्त का जन्म यहीं हुआ था और विक्रमादित्य ने ही देश में हिंदू विक्रम संवत युग की शुरुआत की थी। गुप्त वंश के बाद, कई अन्य राजवंशों ने उज्जैन के शासन को अपने अधीन कर लिया, जिसमें परमार वंश, चालुक्य वंश, चंदेल वंश और राजपूत शामिल हैं। वर्ष 1235 में शहर पर दिल्ली के सुल्तान इल्तुतमिश ने आक्रमण किया और उसके बाद 1305 में अलाउद्दीन खिलजी ने आक्रमण किया। 15 वीं शताब्दी में महान राजा अकबर ने शहर पर शासन किया और बाद में उनके पोते औरंगजेब ने प्राचीन शहर उज्जैन की भव्यता को बनाए रखने के लिए कई प्रयास किए। बाद के समय में शहर पर मराठों ने आक्रमण किया और यह स्वतंत्रता से पहले ग्वालियर राज्य का हिस्सा बना रहा। अंतत: 1956 में इसे मध्य भारत के हिस्से के रूप में मिला दिया गया और मध्य प्रदेश का एक महत्वपूर्ण शहर घोषित किया गया।

माँ भद्रकाली धाम मधुकरपुर सिद्धार्थनगर/ दैनिक बुद्ध का संदेश

# Boycott Turkey का हुआ असर, भारत के एक्शन से तुर्की की कंपनी की हालत हुई खस्ता, स्वाहा हो गए 200 मिलियन डॉलर

तुर्की का पाकिस्तान प्रेम अब उसपर भारी पड़ने लगा है। भारत में तुर्की को बायकॉट करने की होड़ लगी हुई है। भारत में लगातार तुर्की में निर्मित सामानों का बहिष्कार किया जा रहा है। इससे तुर्की को आर्थिक चोट लग रही है। भारत में जितनी तुर्की की कंपनियां हैं उनका हाल काफी बुरा हो गया है। इसी बीच टर्किश एविएशन कंपनी सेलेबी को भी बड़ा झटका लगा है। इस कंपनी का सिक्योरिटी क्लियरेंस भारत सरकार तत्काल प्रभाव से रद्द कर चुकी है। भारत के इस कदम के बाद कंपनी की वैल्यूएशन दो दिन में ही एक तिहाई कम हो गई है। भारत सरकार के इस फैसले के कारण कंपनी के भारत में काम करने वाले 3800 कर्मचारियों की नौकरी पर भी संकट मंडराने लगा है। पाकिस्तान का साथ देने पर



भारत ने उठाया कदम

तुर्की इन दिनों भारत के निशाने पर आया हुआ है। दरअसल 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में आतंकी हमला हुआ था, जिसमें 26 पर्यटकों की मौत हो गई थी। इस घटना के बाद पाकिस्तान और पीओके में भारत की ओर से एयरस्ट्राइक की गई थी। इस कदम के बाद पाकिस्तान बौखलाहट में सीमा पर नापाक हरकतें करने में जुट गया था। भारत और पाकिस्तान के बीच हुई तनाव की स्थिति के दौरान चीन और तुर्की ने पाकिस्तान का साथ दिया था। यही भारतीय सेना द्वारा ऑपरेशन सिंदूर के तहत हुई आतंकी ठिकानों पर कार्रवाई की आलोचना भी की थी। तुर्की के इस कदम के बाद भारत में बॉयकॉट तुर्की मुहिम जारी है। तुर्की को अब पाकिस्तान के समर्थन में उतरना भारी पड़ रहा है क्योंकि राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से भारत सरकार ने टर्किश एविएशन कंपनी सेलेबी का सिक्योरिटी क्लियरेंस रद्द कर दिया है। नागरिक विमानन सुरक्षा ब्यूरो द्वारा जारी आदेश की मानें तो सेलेबी एयरपोर्ट सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को 21 नवंबर 2022 को ग्राउंड हैंडलिंग एजेंसी के तौर पर सुरक्षा मंजूरी मिली थी। इस मंजूरी को अब भारत सरकार ने आदेश के बाद रद्द कर दिया गया है। सेलेबी एविएशन देश के 9 बड़े एयरपोर्ट्स जिनमें दिल्ली, मुंबई और चेन्नई जैसे संवेदनशील एयरपोर्ट्स पर काम करती है। इन एयरपोर्ट्स पर कंपनी ग्राउंड हैंडलिंग, कार्गो सेवा और एयरसाइड ऑपरेशन जैसी सर्विस को अंजाम देती है।

इस कदम के बाद तुर्की की कंपनी सेलेबी की वैल्यूएशन में भी बड़ी गिरावट आई है। कंपनी को 200 मिलियन डॉलर का नुकसान उठाना पड़ा है। तुर्की की कंपनी का ग्लोबल रेवेन्यू अब एक तिहाई हिस्से तो नीचे गिर गया है। इस्तांबुल स्टॉक एक्सचेंज में भी सर्विस के शेयरों में 20 फीसदी की गिरावट दर्ज हुई है। कंपनी की मार्केट वैल्यू अब घटकर 4.8 बिलियन तुर्की लीरा हो गई है, जो 52 सप्ताह में हाई लेवल से 30 फीसदी कम है। इससे पहले तुर्की का बहिष्कार करने की मुहिम में तुर्की से आने वाले सेब से लेकर अन्य सामान का बहिष्कार हो रहा है। तुर्की को टूरिज्म को भी बड़ा झटका देने के लिए कई भारतीय कंपनियों जैसे ईजमाई ट्रिप, मेकमाईट्रिप, इक्सिगो जैसे कई ट्रैवल प्लेटफॉर्म ने तुर्की की यात्रा ना करने की सलाह यात्रियों को दी है।

# सोमालिया में सैन्य भर्ती केंद्र पर आत्मघाती हमला, 13 लोगों की मौत

सोमालिया की राजधानी मोगादिशु में रविवार को एक आत्मघाती हमलावर ने सैन्य शिविर में भर्ती से जुड़े पंजीकरण के लिए इंतजार कर रहे युवाओं को निशाना बनाकर हमला किया, जिसमें कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई और 21 अन्य घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों ने यह जानकारी दी।

मोगादिशु को पूर्व में अल-कायदा से जुड़े अल-शबाब चरमपंथी समूह द्वारा बार-बार निशाना बनाया गया है। यह समूह शरिया की अपनी सख्त व्याख्या को लागू करने के प्रयास के तहत अक्सर सैन्य और सरकारी स्थलों पर हमला करता है। ऑटोरिक्शा चालक अब्दुलकादिर हसन मोहम्मद ने कहा, "एक जोरदार विस्फोट हुआ और तुरंत लोग सभी दिशाओं में भागने लगे। हर जगह शव पड़े हुए थे।" इस हमले की तत्काल किसी ने जिम्मेदारी नहीं ली। शिविर की सुरक्षा इकाई का हिस्सा रहे हुसैन नामक एक सैनिक ने 'एसोसिएटेड प्रेस' को बताया कि कई युवा कतार में धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा कर रहे थे। सैनिक ने कहा, "विस्फोट विनाशकारी था। मैंने देखा कि कई लोग हताहत हुए थे। हमलावर भी पंजीकरण कराने के लिए के लिए आये युवाओं के साथ कतार में खड़ा था।" सैनिक ने कहा कि मृतकों में पांच राहगीर भी शामिल हैं।

# अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन को हुआ प्रोस्टेट कैंसर, हड्डियों तक फैली गंभीर बीमारी

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन प्रोस्टेट कैंसर से पीड़ित हैं। पिछले हफ्ते उन्होंने मूत्र संबंधी समस्याओं के कारण डॉक्टरों से परामर्श किया, जिसके परिणामस्वरूप प्रोस्टेट नोड्यूल का पता चला। आगे की जांच के बाद उन्हें प्रोस्टेट कैंसर का पता चला, जिसमें कैंसर कोशिकाएं हड्डी तक फैल गई थीं। बाइडन के कार्यालय ने बताया कि बीमारी का यह अधिक गंभीर रूप है। कार्यालय के अनुसार, पूर्व राष्ट्रपति और उनका परिवार चिकित्सकों के साथ उपचार के संबंध में विचार विमर्श कर रहा है। प्रोस्टेट कैंसर की गंभीरता को ग्लीसन स्कोर पर क्रम दिया जाता है। यह स्कोर छह से 10 तक होता है जिसमें आठ, नौ और 10 स्कोर अत्यधिक गंभीर श्रेणी में आते हैं।

बाइडन के कार्यालय ने कहा कि उनका स्कोर नौ है, जो दर्शाता है कि उनका कैंसर अत्यधिक गंभीर की श्रेणी में आता है। बाइडन की बीमारी सामने आने पर कई नेताओं ने उनके



जल्द स्वस्थ होने की कामना की है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर कहा कि वह इस खबर से दुखी हैं। उन्होंने कहा कि हम जो के शीघ्र और पूरी तरह से स्वस्थ होने की कामना करते हैं। पूर्व उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने सोशल मीडिया पर लिखा, जो एक योद्धा हैं और मुझे पता है कि वह उसी ताकत और आशा के साथ डटकर इस चुनौती का भी मुकाबला करेंगे, जिसने हमेशा उनके जीवन और नेतृत्व को परिभाषित किया है।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प लंबे समय से उनके राजनीतिक विरोधी रहे हैं, ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि वे इस खबर से दुखी हैं और उनके शीघ्र और सफल स्वस्थ होने की कामना करते हैं। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में लिखा, मेलानिया और मैं जो बिडेन के हाल ही में हुए मेडिकल निदान के बारे में सुनकर दुखी हैं। हम जिल और परिवार को अपनी हार्दिक और शुभकामनाएं देते हैं, और हम जो के शीघ्र और सफल स्वस्थ होने की कामना करते हैं।

## शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 16 पैसे बढ़कर 85.41 पर

विदेशी बाजार में अमेरिकी मुद्रा की कमजोरी और एफआईआई की मजबूत लिवाली के चलते रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 16 पैसे बढ़कर 85.41 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि स्थानीय मुद्रा के सीमित दायरे में कारोबार करने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज के अमेरिका की निवेश श्रेणी की रेटिंग को कम करने के कारण भी निवेशक सतर्क हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में घरेलू मुद्रा डॉलर के मुकाबले 85.43 पर खुली। इसके बाद रुपया बढ़कर 85.41 पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 16 पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया शुक्रवार को डॉलर के मुकाबले तीन पैसे की गिरावट के साथ 85.57 पर बंद हुआ था। इसबीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.28 प्रतिशत की गिरावट के साथ 100.81 पर था। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा कारोबार में 0.43 प्रतिशत गिरकर 65.13 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को शुद्ध आधार पर 8,831.05 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

## 24 घंटे में 250 मौतें, इजरायल ने अब कहां बरपाया कहर

इजरायली सेना ने गाजापट्टी में बड़े स्तर पर नया जमीनी सैन्य अभियान शुरू करने का ऐलान किया। गाजा में बीती रात और रविवार को हुए इजरायल के हवाई हमलों में कम से कम 103 लोगों की मौत हो गई। कुछ हमले विस्थापित लोगों के घरों और तंबुओं पर हुए। मरने वालों में आधे से ज्यादा महिलाएं और बच्चे हैं। इजराइल ने हमास पर दबाव बढ़ाने के लिए नया सैन्य हमला शुरू किया है, ताकि उसकी शर्तों पर एक अस्थायी संघर्षविराम हासिल किया जा सके। हमास का कहना है कि वह उसी संघर्षविराम को मानेगा जिसमें इजराइली सेना पीछे हटे।

गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, पिछले 24 घंटे में इजराइली हमलों में 150 से अधिक लोग मारे गए हैं। उसने कहा कि 18 मार्च को इजराइल द्वारा जनवरी में किये गए युद्ध विराम को तोड़ने के बाद से अब तक लगभग 3,000 लोग मारे गए हैं। अल-अवदा अस्पताल के अनुसार, शनिवार दोपहर को उत्तर में जबालिया शरणार्थी शिविर में एक इजराइली हमले में कम से कम चार बच्चे मारे गए। ये शव इसी अस्पताल में लाये गए। इसके अनुसार एक घर पर हुए हमले में सात अन्य घायल हो गए। अस्पताल ने बताया कि बाद में जबालिया में हुए एक अन्य हमले में चार लोग मारे गए। मध्य गाजा में दीर अल-बलाह के पूर्व में हुए एक हवाई हमले में एक महिला और तीन बच्चों की मौत हो गई, शवों को अल-अक्सा अस्पताल लाया गया। दीर अल-बलाह में हुए एक अन्य हमले में एक महिला समेत चार लोग मारे गए। हमलों पर इजरायली की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की गई। एक अलग बयान में कहा गया कि सेना ने उत्तरी गाजा में एक भूमिगत मार्ग को ध्वस्त करते हुए दर्जनों लड़ाकों को मार गिराया।

## जो बाइडेन को घातक कैंसर होने पर पीएम मोदी ने किया ट्वीट, की जल्द और पूरी तरह स्वस्थ होने की कामना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के शीघ्र और पूर्ण स्वस्थ होने की कामना की है। एक्स पर एक पोस्ट में पीएम मोदी ने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति के स्वास्थ्य पर अपनी चिंता व्यक्त की और उन्हें शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा कि जो बाइडेन के स्वास्थ्य के बारे में सुनकर बहुत चिंतित हूं। उनके शीघ्र और पूर्ण स्वस्थ होने की शुभकामनाएं देता हूं। हमारी संवेदनाएं डॉ. जिल बिडेन और उनके परिवार के साथ हैं। जो बाइडेन के बारे में सुनकर बहुत चिंतित हूं। उनके शीघ्र और पूर्ण स्वस्थ होने की शुभकामनाएं देता हूं। हमारी संवेदनाएं डॉ. जिल बिडेन और उनके परिवार के साथ हैं। आपको बता दें कि अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन प्रोस्टेट कैंसर से पीड़ित हैं। पिछले हफ्ते उन्होंने मूत्र संबंधी समस्याओं के कारण डॉक्टरों से परामर्श किया,



जिसके परिणामस्वरूप प्रोस्टेट नोड्यूल का पता चला। आगे की जांच के बाद उन्हें प्रोस्टेट कैंसर का पता चला, जिसमें कैंसर कोशिकाएं हड्डी तक फैल गई थीं। बाइडन के कार्यालय ने बताया कि बीमारी का यह अधिक गंभीर रूप है। कार्यालय के अनुसार, पूर्व राष्ट्रपति और उनका परिवार चिकित्सकों के साथ उपचार के संबंध में विचार विमर्श कर रहा है। प्रोस्टेट कैंसर की गंभीरता को ग्लीसन स्कोर पर क्रम दिया जाता है। यह स्कोर छह से 10 तक होता है जिसमें आठ, नौ और 10 स्कोर अत्यधिक गंभीर श्रेणी में आते हैं।

बाइडन के कार्यालय ने कहा कि उनका स्कोर नौ है, जो दर्शाता है कि उनका कैंसर अत्यधिक गंभीर की श्रेणी में आता है। बाइडन की बीमारी सामने आने पर कई नेताओं ने उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर कहा कि वह इस खबर से दुखी हैं। उन्होंने कहा कि हम जो के शीघ्र और पूरी तरह से स्वस्थ होने की कामना करते हैं। पूर्व उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने सोशल मीडिया पर लिखा, जो एक योद्धा हैं और मुझे पता है कि वह उसी ताकत और आशा के साथ डटकर इस चुनौती का भी मुकाबला करेंगे, जिसने हमेशा उनके जीवन और नेतृत्व को परिभाषित किया है।

## शेयर बाजार में शुरुआती कारोबार में गिरावट, सेंसेक्स 214 अंक टूटा

शेयर बाजार में सोमवार को शुरुआती कारोबार के दौरान प्रमुख शेयर सूचकांकों सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट हुई। इस दौरान 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 214.59 अंक गिरकर 82,116 पर आ गया। एनएसई निफ्टी 54 अंक गिरकर 24,965.80 पर आ गया। सेंसेक्स की कंपनियों में इंफोसिस, इटरनल, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इंडसइंड बैंक, एचसीएल टेक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टेक महिंद्रा और महिंद्रा एंड महिंद्रा में उल्लेखनीय गिरावट हुई। दूसरी ओर एनटीपीसी, एशियन पेंट्स, बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर हरे निशान में थे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.37 प्रतिशत गिरकर 65.17 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 8,831.05 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।



# बेपदं तो पहले ही आधा पाकिस्तान गिरवी रख चुका था, अब बीच में ट्रंप ने आईएमएफ से क्या नया खेल करवा दिया

भारत पाकिस्तान के बीच तनाव की स्थिति अपने चरम पर थी। तब भारत के लाख विरोध के बावजूद अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने पाकिस्तान को लोन की मंजूरी दे दी। 2.3 बिलियन डॉलर की रकम पाकिस्तान को दी जानी थी। लेकिन अब इसमें आईएमएफ ने नई शर्त रख दी है। आईएमएफ की तरफ से पैसा रिलीज किए जाने की सूरत में पाकिस्तान को ये 11 शर्तें माननी होंगी। इससे पहले भी आईएमएफ ने पाकिस्तान को कर्ज दिया था उस वक्त भी अपनी शर्तें पाकिस्तान पर थोपी थी। उसके बाद पाकिस्तान में बेरोजगारी और महंगाई के लिए आलम को पूरी दुनिया ने देखा था। अब अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने अपनी कर्ज राहत योजना की अगली किस्त जारी करने के लिए 11 नई शर्तें जोड़ दी हैं। अब तक कुल 50 शर्तें आईएमएफ पाकिस्तान पर थोप चुका है। इसके अलावा आईएमएफ ने भारत-पाकिस्तान के बीच के तनाव को कार्यक्रम के लिए खतरा बताया है।



एक रिपोर्ट में बताया गया था कि भारत और पाकिस्तान के बीच में अगर तनाव बढ़ता है कि तो पड़ोसी देश के आर्थिक सुधार, बजट संतुलन और विदेशी लेन-देन से जुड़े सभी लक्ष्यों पर असर पड़ सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, हाल ही में भारत की आतंकवादी ठिकानों पर की गई स्ट्राइक और पाकिस्तान की जवाबी कार्रवाई ने माहौल को और ज्यादा संवेदनशील बना दिया है। आईएमएफ ने अनुमान लगाया है कि वित्त वर्ष के लिए पाकिस्तान का रक्षा बजट 2.414 लाख करोड़ रुपए हो सकता है, जो 12 ज्यादा है। वहीं, पाकिस्तानी सरकार ने 2.5 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा आवंटित करने का संकेत दिया है, जो भारत के साथ संघर्ष के बाद 18 की वृद्धि दर्शाता है।

कौन-कौन सी नई शर्तें जोड़ी गईं?

पाकिस्तान को अपनी संसद से वित्त वर्ष 2026 के लिए 17.6 लाख करोड़ रुपये के बजट को मंजूरी दिलानी होगी।

बिजली बिल में लगने वाला डेट सर्विस सरचार्ज 3.21 रुपये प्रति यूनिट की अधिकतम सीमा में नहीं रहेगा। लोगों पर बोझ बढ़ेगा।

अब 5 साल पुरानी कारों तक के आयात की इजाजत दी जाएगी। फिलहाल सिर्फ 3 साल पुरानी कारों को मंगाने की अनुमति थी।

पाकिस्तान के चारों प्रांतों को कृषि आयकर लागू करने की योजना बनानी होगी। टैक्सपेयर की पहचान, पंजीकरण, ऑनलाइन रिटर्न शामिल हैं।

पाकिस्तान को एक कार्य योजना सार्वजनिक करनी होगी, जिसमें सरकारी तंत्र की कमजोरियों को सुधारने के उपाय बताए जाएंगे।

वित्तीय योजना बनानी होगी, जो 2028 से आगे की वित्तीय संस्थागत रूपरेखा को स्पष्ट करे।

ऊर्जा क्षेत्र में सख्त शर्तें

बिजली दरों की वार्षिक समीक्षा और लागू करना अनिवार्य होगा

गैस दरों की समीक्षा फरवरी 2026 तक लागू करनी होगी

घाटे वाली बिजली व्यवस्था को सुधारने के लिए उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त

बोझ डाला जाएगा

एक-फर्लाई बैंक ने कहा कि गलत एनर्जी पॉलिसी के चलते ही कर्जी की स्थिति

## सोना वायदा भाव 918 रुपये बढ़कर 93,359 रुपये प्रति 10 ग्राम पर

मजबूत हाजिर मांग के कारण सटोरियों के ताजा सौदे करने से वायदा कारोबार में सोमवार को सोने का भाव 918 रुपये बढ़कर 93,359 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में जून डिलीवरी वाले सोने के अनुबंध 918 रुपये या 0.99 प्रतिशत बढ़कर 93,260 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गए। इसमें 10,743 लॉट के लिए कारोबार हुआ। विश्लेषकों ने कहा कि प्रतिभागियों के ताजा सौदे करने से सोने की कीमतों में तेजी आई। वैश्विक स्तर पर न्यूयॉर्क में सोना वायदा भाव 0.80 प्रतिशत बढ़कर 3,229.30 डॉलर प्रति औंस हो गया।

# खड़ी ट्रक मे पिछे से घुसी कार,एक की मौत, तीन घायल

दैनिक बुद्ध का संदेश

करमा/सोनभद्र। स्थानीय थाना क्षेत्र के मरकवाह गाँव के समीप रात्रि करीब साढ़े 12 बजे शादी समारोह से घर वापस जा रहे थाना राजगढ़ मिर्जापुर के गांव रामपुर 38 निवासी ओमप्रकाश



मिश्रा पुत्र बलवंत मिश्रा उम्र करीब 45 वर्ष की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई , जब कि उनका पुत्र प्रशांत मिश्रा उम्र 20 वर्ष और साथ में प्रशांत मिश्रा उम्र 42 वर्ष, राजु मिश्रा 35 वर्ष घायल हो गये, प्राप्त जानकारी के अनुसार सभी लोग एक कार से केकराही के पास बसवा गाँव से एक शादी में शामिल होकर वापस घर लौट रहे थे मरकवाह गाँव के पास मिरजापुर की तरफ से आ रही तेज रफ्तार ट्रक का ड्राइवर ने ट्रक अपने दाहिने तरफ मोड़ दिया जिससे बचने के लिए कार चालक रामलाल ने अपने बाईं तरफ कार मोड़ा की बायें पटरी पर बालू लादकर खड़ी ट्रक में टक्कर हो गई. मरकवाह निवासी रामकेश ने बताया कि आवाज सुन हम आस पास के लोग मौके पर पहुँचे, तत्काल घायलों को मगिया रोड़ एक निजी अस्पताल ले गए, प्राथमिक उपचार के बाद स्थित गंभीर देख जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिए, बताया जाता है कि जिला अस्पताल पहुंचने से पूर्व ओम प्रकाश की मौत हो गई। जिन्हें पीएम हाउस में रखा गया है। और घायल तीन लोगों का ईलाज चल रहा है।

# विधायक निधि से लगे कैमरे खराब, दुकानदारों के कैमरे बने सहारा

देवरिया। विधायक निधि से 2019 में धन स्वीकृत के बाद पुलिस ने सलेमपुर तहसील क्षेत्र व भागलपुर पुल के पर 25 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए। इनमें 20 से अधिक कैमरे खराब हो गए हैं।

ऐसे में निगहबानी नहीं हो पा रही है। वारदात की जांच के लिए पुलिस को दुकानदारों का कैमरा खंगालना पड़ रहा है। सलेमपुर के पूर्व विधायक काली प्रसाद के मुताबिक, अपनी निधि से तत्कालीन एसपी श्रीपति मिश्रा को 25 सीसीटीवी कैमरे लगवाने के लिए धनराशि दी थी। पुलिस अपने अनुसार लोकेशन चेक करने के बाद लार कस्बा चौकी, मुख्य बाजार तिराहा, मेहरौना चेकपोस्ट, पिंडी चौराहा, पिपरा चौराहा, चनुकी मोड़ रामनगर के मटियारा मोड़, सहजौर चौराहा पर कैमरे लगवाए थे।

इसके कंट्रोल की जिम्मेदारी कस्बा चौकी प्रभारी रहे प्रमोद सिंह को सौंपी गई थी। कैमरे से मोबाइल को कनेक्ट कर पुलिस पल- पल की गतिविधियां देख रही थी। समय रहते संदिग्धों की पहचान करने में मदद मिलती थी। फुटेज निकाल वारदात की तह तक जल्दी पहुंच जाती थी। जाम की स्थिति उत्पन्न होते ही फुटेज देख पुलिस मौके पर पहुंच जाम खत्म करा देती थी।

सूत्रों की मानें तो एक साल से अधिक समय से लार क्षेत्र में लगे कैमरे रखरखाव के अभाव में खराब हो गए हैं। जिन जगहों पर लगाया गया है वहां किसी कैमरे का लेंस नीचे तो किसी का विपरीत दिशा में हो गया है। जबकि पुलिस दूसरों को कैमरा लगवाने की नसीहत देती रहती है।

इधर इन जगहों की आपराधिक गतिविधियां कैद नहीं हो पा रही हैं।

# अस्पताल में गंदगी मिलने पर सीएमओ ने लगाई फटकार

देवरिया। स्वास्थ्य सुविधाओं को चुस्त–दुरुस्त करने के मद्देनजर सीएमओ ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रामपुर कारखाना, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कंचनपुर का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तरकुलवा में इमरजेंसी सेवा के दौरान मिल रही स्वास्थ्य सेवाओं का हाल जाना। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रामपुर कारखाना परिसर में गंदगी देख प्रभारी चिकित्साधिकारी को फटकार लगाई और तत्काल सफाई कराने के निर्देश दिए। सीएमओ ने पेयजल व्यवस्था देखा और यहां का पानी पीकर शुद्धता की जानकारी ली। उन्होंने स्वास्थ्य मेले में आए लोगों से मिल रही स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में जानकारी ली। स्वास्थ्य केंद्र पर आने वाले हर मरीज को बेहतर स्वास्थ्य सेवा देने का निर्देश दिया। सीएमओ डॉ. अनिल कुमार गुप्ता पहले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रामपुर कारखाना पहुंचे। उन्होंने उपस्थिति पंजिका को देखा। एक–एक कर्मचारी के उपस्थिति की जानकारी ली। सभी कर्मचारी मौजूद रहे। उन्होंने प्रसव, दवा और पैथोलॉजी कक्ष का निरीक्षण किया। अस्पताल परिसर में गंदगी देख नाराजगी जताई। साथ ही प्रभारी चिकित्साधिकारी को फटकार लगाते हुए तत्काल साफ–सफाई कराने के निर्देश दिए। यहां उन्होंने मरीजों व तीमारदारों के लिए लगे प्याऊ के पेयजल की शुद्धता जानने के लिए पानी पीया और संतुष्ट दिखे। यहां 31 मरीजों का इलाज हुआ था और दस की जांच की गई थी। सीएमओ ने मरीजों से मिल रही स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में जानकारी ली। इसके बाद प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कंचनपुर पहुंचे।

# नौकरी नहीं मिलने पर परिवार समेत आत्मदाह करने की चेतावनी

देवरिया। लोक निर्माण विभाग में कनिष्ठ सहायक के पद पर मृतक आश्रित कोटे से हुई नियुक्ति की शिकायत पर मुख्य अभियंता ने जांच का आदेश दिया है, मगर दो माह बाद भी कार्रवाई नहीं हुई है।

आरोप है कि वास्तविक आश्रित महिला को नौकरी न देकर के उसकी जगह पर फर्जी तरीके से दूसरे को नौकरी दे दी गई। शिकायतकर्ता ने अधिकारियों को भेजे गए पत्र में बताया है कि अगर न्याय नहीं मिला तो वह सपरिवार आत्मदाह करेगी। उसने कहा है कि घर की माली हालत ठीक न होने से वह दूसरे के घर चौका–बर्तन कर रही है।

शहर के रघु कॉलोनी मोहल्ला निवासी रंजू यादव ने मुख्यमंत्री और लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों से कुछ माह पहले शिकायत की थी। उन्होंने पत्र में बताया है कि उनके ससुर राम आशीष यादव लोक निर्माण खंड देवरिया में बेलदार के पद पर कार्य थे। उनका सेवा काल में 2022 में निधन हो गया। इसके बाद पति ने मृतक आश्रित कोटे से अनुकम्पा के आधार पर नौकरी के लिए प्रार्थनापत्र विभाग को दिया गया।

इसी बीच विभाग में गहरी पैठ रखने वाली एक महिला ने विभाग के कुछ अधिकारियों और लिपिक की मिलीभगत से प्रार्थना पत्र संगवाकर फर्जी तरीके से एक नियुक्ति कर दी। इसकी जानकारी होने पर मैं सदमे में आ गई। आरोप लगाया कि एक लिपिक ने उनके पति का फर्जी हस्ताक्षर कर अनापत्ति प्रमाणपत्र भी बनवाकर विभाग में संलग्न कर दिया। मामले की शिकायत अधीक्षण अभियंता से की तो उन्होंने लिपिक को डांट–फटकार लगाई और मेरे प्रार्थनापत्र पर विचार करने को कहा। ससुर के मौत के बाद मेरी माली हालत खराब हो गई। परिवार के भरण–पोषण के लिए लोगों का चौका बर्तन कर कर रही हूं। इस मामले की शिकायत शासन स्तर पर पहुंचने पर मुख्य अभियंता राकेश वर्मा ने सात मार्च को अधीक्षण अभियंता लोक निर्माण विभाग को जांच कर आख्या देने के साथ ही फर्जी तरीके से नियुक्ति और प्रमाणपत्र की जांच करने के निर्देश दिए। महिला ने एक बार फिर से अधिक्षण अभियंता को शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग है।

# बाइक सवार युवकों की छुट्टा घूम रहे जानवर से हुई टक्कर, दोनों युवकों की मौत

दैनिक बुद्ध का सन्देश

पयागपुर। सड़क पर छुट्टा घूम रहे जानवर से बाइक सवार युवक की हुई टक्कर, दोनों युवकों को आई गम्भीर चोटें। अस्पताल में इलाज के दौरान दोनों युवकों की हुई मौत। प्राप्त विवरण अनुसार दोनों बाइक सवार युवक श्रावस्ती के गिलौला में मांगलिक कार्यक्रम में गए थे। घर वापस आते समय सड़क पर खुलेआम घूम रहे जानवर से बाइक सवार युवकों की टक्कर हो गई। यह हादसा श्रावस्ती जिले के गिलौला थाना क्षेत्र के दहौली गांव में हुआ। हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए दोनों युवकों को सीएचसी में भर्ती कराया गया। वह से बहराइच मेडिकल कॉलेज में इलाज हेतु रेफर किया गया था। बहराइच मेडिकल कॉलेज में दोनों युवकों का इलाज रहा था, जहां पर इलाज के दौरान दोनों युवकों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि दोनों युवक पयागपुर थाना क्षेत्र के रहने वाले थे। मृतक युवकों में 19 वर्षीय राजेश व 35 वर्षीय सुशील थे।पुलिस ने दोनों मृतकों के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

# मिशन शक्ति के तहत किया गया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। शासन द्वारा बालिकाओं/महिलाओं की सुरक्षा व महिला जागरूकता एवं सशक्तिकरण के दृष्टिगत चलाये जा रहे मिशन शक्ति (फेज–05) अभियान के तहत श्री अशोक कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के निर्देशन में महिलाओं/बालिकाओं की सुरक्षार्थ जनपद में गठित एण्टी रोमियों स्क्वाड द्वारा प्रतिदिन मंदिर/भीड़–भाड़ वाले स्थानों पर गश्त कर बालिकाओं/महिलाओं



से वार्ता कर महिला सुरक्षा के सम्बन्ध में जागरूक एवं चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। उक्त निर्देश के क्रम में नारी सुरक्षा व नारी सम्मान हेतु चलाये जा रहे मिशन–शक्ति अभियान के अन्तर्गत जनपद के समस्त थानों में गठित एण्टी रोमियो स्क्वाड टीम द्वारा स्कूलों/कॉलेजों, मंदिर/भीड़–भाड़ वाले स्थानों पर चेकिंग की गई तथा बालिकाओं/महिलाओं से वार्ता कर महिला सुरक्षा सम्बन्धी उपायों के बारे में जागरूक किया गया तथा उपस्थित महिलाओं/बालिकाओं/छात्राओं को यूपी पुलिस द्वारा चलाई जा रही सुरक्षा संबंधित सेवाएं जैसे– वुमेन पावर लाइन 1090, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, स्वास्थ्य सेवा 102, एम्बुलेंस सेवा 108 एवं अपने अपने सीयूजी नम्बरों के बारे में विस्तृत जानकारी देकर जागरूक किया गया । साथ ही साथ यह भी बताया गया कि अपने आस–पास के लोगों को साइबर अपराधों के बारे में जागरुक करें और उन्हें बतायें कि यदि कोई व्यक्ति साइबर धोखाधड़ी का शिकार हो जाता है तो उसकी सूचना तत्काल हेल्पलाइन नम्बर 1930/112 पर दें जिससे समय रहते ही अग्रिम कार्रवाई की जा सके।

# जायरीनों की गाड़ी अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे पलटी, एक की मौत, 6 गंभीर रूप से घायल

दैनिक बुद्ध का सन्देश

पयागपुर। रात लगभग 10 बजे बहराईच से दरगाह दर्शन कर



वापस अपने गृह जनपद बस्ती लौट रहे जायरीनों की गाड़ी बहराइच गोंडा रोड पर चौकी खुटेहना थाना पयागपुर अंतर्गत ग्राम बनकटा के पास अचानक ड्राइवर को झपकी आ जाने से अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे गड्ढे मे चली गयी , जिसमे बैठे कुल 7 व्यक्तियों से एक को गंभीर चोट आयी जिसे पुलिस की सहायता से जिला चिकित्सालय भेज दिया गया जहां उसकी इलाज के दौरान मृत्यु हो गयी तथा बाकी 6 व्यक्तियों का ईलाज चल रहा है जिनकी स्थिति सामान्य है। गंभीर रूप से घायल हुए व्यक्ति मु शाहनवाज पुत्र मुहीउद्दीन ,सरफाज पुत्र अल्ताफ हुसैन ,अशरफ पुत्र कुर्बईजुनैद पुत्र मुख्तार ,आरीफ पुत्र बहसैदी , जावेद पुत्र क्रीम , जीशान पुत्र गुलाम है जो कस्बा कप्तान गंज थाना कप्तानगंज जनपद बस्ती के रहने वाले हैं उक्त मे से व्यक्ति आरिफ की मृत्यु हो गयी।

# स्काउट गाइड के बच्चों ने दिखाया अपना कौशल

दैनिक बुद्ध का संदेश

देवरिया। स्काउट गाइड से उत्पन्न होती है समाज सेवा, जब भी देश को जरूरत पड़ती है सेवा के लिए तत्पर होते हैं स्काउट गाइड उक्त बातें देवरिया जनपद के महाराजा अग्रसेन बालिका इंटर कॉलेज में चल रहे तृतीय सोपान जांच शिविर के समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में जिला कोषाध्यक्ष शैलेंद्र कुमार सैनी ने कहा, विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला गाइड कमिश्नर गीता कुमारी ने बच्चों को आशीर्वचन देते हुए स्काउट गाइड के नियमों और एक कुशल नागरिक बनने के तरफ मार्गदर्शन दिया साथ ही गाइड कमिश्नर एडल्ट रिसोर्सेस डॉ सीमा पाठक ने बच्चों को उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें हमेशा प्रगति के पथ पर आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिला सचिव आशुतोष कुमार शाह ने आए हुए व्यक्तियों का आभार व्यक्त किया और बच्चों को भी स्थिति सोपान से राज्य पुरस्कार और राष्ट्रपति पुरस्कार तक के विषयों पर चर्चा किया कार्यक्रम का संचालन जिला संगठन कमिश्नर नरसिंह कुमार सिंह ने किया प्रादेशिक मुख्यालय से आए हुए शिविर संचालक राजू मौर्य यूनिट लीडर अनिल कुमार ट्रेनिंग काउंसलर चंदन जायसवाल, आनंद गुप्ता, रोशन कुमार, ज्योति खरवार कार्यक्रम में सहयोग की भिन्न–भिन्न विद्यालयों से आए हुए स्काउट गाइड ने अपनी कला कौशल का प्रदर्शन करते हुए इस पांच दिवसी चलने वाले जांच शिविर में पूरी तन्मयता से प्रतिभा किया



# तारा महिला इंटर कालेज में मनाई गई अहिल्याबाई होल्कर की जयंती

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बहराइच। शहर स्थित तारा महिला इंटर कालेज में सोमवार



को अहिल्याबाई होल्कर की जयंती मनाई गई। जिसमें छात्र छात्राओं ने रंगोली भी बनाई। भाजपा के नगर उपाध्यक्ष रजनी सक्सेना ने छात्र–छात्राओं को अहिल्याबाई होल्कर के जीवन चरित्र के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गोष्ठी आदि कार्यक्रमों के माध्यम से महारानी होल्कर के बारे में जन–जन तक पहुंचाई जाएगी। इस मौके पर नगर अध्यक्ष अमित शर्मा, प्रधानाध्यापिका अंजू उपाध्याय समेत आदि लोग मौजूद रहे।

# दिल्ली स्कूल ऑफ़ एक्सीलेंस में समर कैंप का समापन समारोह

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। दिल्ली स्कूल ऑफ एक्सीलेंस हवेली खास में समर कैंप का समापन समारोह बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। इस पांच दिवसीय समर कैंप में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें क्रिकेट, वॉलीबॉल, स्विमिंग, रोबोटिक , रैंप वॉक, पॉट मेकिंग, नो फायर कुकिंग, वैदिक मैथ, मेंटल मैथ, ड्राइंग, डांस, सिंगिंग आदि शामिल थे। समापन समारोह विद्यालय प्रधानाचार्य गोपाल त्रिपाठी और बढ़े पन यातायात प्रभारी अध्येश तिवारी की उपस्थिति में आयोजित किया गया। इस अवसर पर बच्चियों का रैंप वॉक, डांस, स्विमिंग, क्रिकेट और लड़कों का स्विमिंग, क्रिकेट, म्यूजिक, पॉटरी, नो फायर कुकिंग आयोजित की गई। सीसीए हेड दिव्या त्रिपाठी ने बताया कि कार्यक्रम भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और पिछले कई वर्षों की तरह इस वर्ष भी मनाया गया। सभी शिक्षकों और बच्चों का पूरा सहयोग रहा और कार्यक्रम की व्यवस्था बहुत ही अच्छी रही। इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षक और अध्यापक उपस्थित रहे, जिनमें वेद प्रकाश सिंह, भूपेंद्र त्रिपाठी, हर्षिता पांडे, वंदना पांडे, स्वाति सिंह, अवनीश तिवारी, शिवेंद्र त्रिपाठी, अनद चौरसिया, अनूप पांडे, फराज पंकज गुप्ता, प्रमोद गुप्ता, अजय शर्मा, लकी शुक्ला, ममता उपाध्याय, मीनू मिश्रा, दिनेश यादव, रेनू पांडे, सीमा सिंह, अंजली शुक्ला, सुचिता, अदिति, अमित पांडे, अमर बहादुरी, अरीबा, बबलू, ऐश्वर्या, गरिमा, आशुतोष सिंह, माया, मीनू, पूजा, प्रभात, पूर्णिमा, रंजन, शालिनी, सरवन, अयका, सात्विक, स्नेहा, उपेंद्र, अनुष्का सहित सभी अध्यापक उपस्थित रहे। सभी अभिभावकों ने कार्यक्रम की खूब सराहना की और बच्चों ने सभी कार्यक्रमों का आनंद उठाया। यह समर कैंप बच्चों के लिए एक यादगार अनुभव था।



# गांव में दिखा मगरमच्छ हड़कम्प

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। घोरावल वन क्षेत्र के अंतर्गत सतद्वारी गाव में रविवार

देर रात एक किसान के घर में 11 फीट लंबा मगरमच्छ घुसने से गांव में हड़कंप मच गया। घोरावल कोतवाली क्षेत्र के शिवद्वार चौकी अंतर्गत सतद्वारी गांव में श्रीउमामहेश्वर मंदिर के पास सत्यप्रकाश मिश्रा के घर के बरामदे में काफी बड़ा और लंबा मगरमच्छ घुस गया। रात करीब दो बजे परिजनों को अजीब सी सरसराहट की आवाज सुनाई दी। परिजनों ने इधर उधर देखा तो बरामदे में मगरमच्छ को देख कर हैरान रह गए। मगरमच्छ मिलने की जानकारी पुलिस और वन विभाग को दी गई। शिवद्वार चौकी प्रभारी रामज्ञान यादव पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे। ग्राम प्रधान सियाराम यादव और बड़ी संख्या में ग्रामीण भी वहां पर पहुंचे। भीड़ लगने पर मगरमच्छ घर में घुस गया वन क्षेत्राधिकारी ज्ञानेश कुमार के निर्देश पर वन दरोगा राजन मिश्रा, ओमप्रकाश विश्वकर्मा, सुबे कुमार की टीम ने मौके पर पहुंच कर रस्सी व बांस के सहारे करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद मगरमच्छ को पकड़ लिया और बेलन नदी में सुरक्षित छोड़ दिया गया। मगरमच्छ को पकड़ने में गांव के दो बहादुर युवकों लवकुश दुबे और लवकुश कन्नौजिया ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वन क्षेत्राधिकारी ज्ञानेश कुमार ने बताया कि सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने सतद्वारी गांव में बस्ती से 11 फीट लंबा नर मगरमच्छ पकड़ा, जिसका रेस्क्यू कर सुरक्षित बेलन नदी में छोड़ दिया गया।

# अपर पुलिस अधीक्षक आपरेशन, की अध्यक्षता में पुलिस लाइन में आयोजित की गयी नक्सल समन्वय गोष्ठी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस लाइन सभागार कक्ष में सोमवार को अपर पुलिस अधीक्षक आपरेशन त्रिभुवन नाथ त्रिपाठी की अध्यक्षता में नक्सल समन्वय गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में जनपद के पुलिस/पीएसी व अन्य विभागों व सीमावर्ती जनपदों से आये अधिकारीगण के साथ नक्सली संचरण के दृष्टिगत नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में अधिक सतर्कता बरतने व आपस में लगातार समन्वय स्थापित कर नियमित काम्बिंग एरिया डामिनेशन करने तथा इस दौरान स्थानीय ग्रामीणों की समस्याओं को सुनने व उनका हर सम्भव निराकरण कराये जाने व स्थानीय लोगों के साथ वार्ता कर उन्हे किसी के बहकावे में न आने व संदिग्ध गतिविधि होने पर उसकी जानकारी स्थानीय पुलिस व प्रशासन को देने के बारे में जागरूक किया जाये एवं अन्य महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर चर्चा की गयी। इस दौरान श्री राजकुमार उपसेनानायक नक्सल कण्टीजेन्ट चुर्क देव नरायण यादव, सहायक सेनानायक नक्सल कण्टीजेन्ट चुर्क रणधीर कुमार मिश्र क्षेत्राधिकारी सदर, हर्ष पाण्डेय क्षेत्राधिकारी ओबरा, राज सोनकर क्षेत्राधिकारी आपरेशन, डिप्टी सीएमओ डा0 एसके जायसवाल, महेन्द्र प्रताप यादव प्रभारी निरीक्षक स्थानीय अभिसूचना ईकाई, राना प्रताप सिंह प्रभारी निरीक्षक जोनल नक्सल अभिसूचना ईकाई सोनभद्र एवं जनपद के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के थाना प्रभारी/चौकी प्रभारी/पीएसी पोस्ट प्रभारी सहित अन्य अधिकारी कर्मचारीगण मौजूद रहें।

# भारतीय सेना के सम्मान में निकाला गया तिरंगा यात्रा

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर/पचपेड़वा। आपरेशन सिंदूर की सफलता और



भारत के वीर सैनिकों द्वारा पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब देने के बाद पूरे देश का गर्व बढ़ गया है। आज पूरा देश सेना के पराक्रम को सलाम कर रहा है। भारतीय सेना के हौसले और शौर्य की गाथा को सलाम करने के लिए पचपेड़वा नगर में पूर्व विधायक शैलेश कुमार सिंह उर्फ शैलू के नेतृत्व में तिरंगा यात्रा निकाली गई। पचपेड़वा के मशा मैरिज हाल से शुरू हुई तिरंगा यात्रा में सैकड़ों लोग तिरंगा लेकर भारतीय सेना की शौर्य गाथा की जय–जयकार कर रहे थे। हाथों में तिरंगा और मुंह से भारत माता की जय के नारे लगाते हुए लोग सेना के पराक्रम को सलाम कर रहे थे और पाकिस्तान में मौजूद आतंकियों को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए धन्यवाद भी दे रहे थे। इस तिरंगा यात्रा में भाजपा जिलाध्यक्ष रवि मिश्रा, ब्लॉक प्रमुख पचपेड़वा मनोज तिवारी,चेयरमैन रवि वर्मा ,प्रबंधक धर्मेंद्र प्रताप सिंह,पंकज सिंह,रामविलास विश्वकर्मा,बाबा मथुरा प्रसाद सहित सैकड़ों की संख्या में लोग शामिल रहे। तिरंगा यात्रा में शामिल लोग भारत माता की जयकारे लगाते हुए राम जानकी मंदिर पहुंचे।

# लाईओवर अंडर पास न होने की वजह से आम जनमानस त्रस्त : आशु

## राबर्ट्सगंज रेलवे क्रॉसिंग पर दिन में दर्जनों बार लग रहा जाम

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य आशुतोष कुमार दुबे (आशु) के नेतृत्व में जिलाधिकारी के नाम से कलेक्ट्रेट पर अपर जिलाधिकारी रमेश चंद को ज्ञापन दिया। राबर्ट्सगंज रेलवे क्रॉसिंग एवं पुसौली/पौथा रेलवे क्रॉसिंग को लेकर उस पर लाईओवर/अंडरपास बनवाने की मांग करते हुए आशु दुबे ने कहा कि रोजाना राबर्ट्सगंज–चन्दुगंज मार्ग पर हजारों लोगों का आवागमन है ये रास्ता रामगढ़,नगवा,खलियारी होते हुए बिहार भी चला जाता है, वहीं रामगढ़, नगवा के रास्ते चंदौली भी लोग आया–जाया करते हैं इस मार्ग पर स्थित रेलवे क्रॉसिंग पर अगर देखा जाए तो दिन में कम से कम 50 से 60 मालगाड़ी का आवागमन और वहीं लगभग आठ गाड़ी के लम सम पैसेंजर और एक्सप्रेस गाड़ियों का आवागमन लगा रहता है जिसकी वजह से रेलवे फाटक दिन में कई बार गिरा हुआ रहता है और जिससे जाम का झाम पड़ा रहता है।कई बार मरीज को भी जाम लगने से बहुत दिक्कत का सामना करना पड़ता है। रोजाना हजारों लोगों जो इस रास्ते से आते – जाते हैं उनका भी जाम में फस कर समय खराब हो जाता है। वहीं पौथा – पुसौली मार्ग पर रेलवे लाइन क्रॉस करके लोग आते जाते हैं जिसकी वजह से कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है पौथा–पुसौली मार्ग को तो लेकर पूर्व में माननीय छोटेलाल खरवार सांसद को भी ज्ञापन दिया गया था और अंडरपास की मांग भी की गई थी लेकिन इन दोनों जगह पर अभी तक कोई कार्यवाही होती नहीं दिख रही है राबर्ट्सगंज–चन्दुगंज मार्ग पर रेलवे का क्रॉसिंग के आस–पास अतिक्रमण भी भरपूर मात्रा में फैला हुआ है जो जाम का कारण बनता है और आम जनमानस को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उपरोक्त बातों को देखते हुए जिलाधिकारी से लाओवर/अंडरपास बनवाने की मांग किया। इस मौके प्रमुख रूप से उपस्थित रहने वालों में कांग्रेस नेता मनोज मिश्रा, श्रीकांत मिश्रा, युवा कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष सूरज वर्मा, युवा कांग्रेस के जिला महासचिव दयाराम प्रजापति, राष्ट्रीय छात्र संगठन के जिला अध्यक्ष अंशु गुप्ता, सोशल आउटरीच डिपार्टमेंट के जिला अध्यक्ष सुशील राव उपस्थित रहे।

# जनपद न्यायालय परिसर में पानी और शौचालय की समस्या को हल करने की मांग

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र के सभागार में एक बैठक एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन कुमार सिंह एडवोकेट की अध्यक्षता में कचहरी परिसर में व्याप्त समस्याओं पर विचार विमर्श किया गया। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष जगजीवन सिंह एडवोकेट ने कहा कचहरी में बढ़ती गर्मी को देखते हुए पानी की व्यवस्था होना चाहिए कचहरी परिसर स्थित सभी शौचालयों में कहीं दरवाजा टूट गया कहीं पर गंदगी एवं पानी का अभाव होने की वजह से अधिवक्ताओं एवं वादकारियों को कठिनाई का सामना करना पड़ता है। इससे भी खासकर महिला अधिवक्ता एवं महिला वादकारियों को जिसे अविलंब ठीक किया जाना चाहिए। महामंत्री प्रदीप कुमार मौर्य ने कहा कि जनपद एवं सत्र न्यायालय सोनभद्र में काफी संख्या में अधिवक्ता एवं वादकारीगण अपने मुकदमे की पैरवी करने आते हैं वर्तमान में गर्मी बहुत है तथा न्यायालय परिसर में एक भी हैंड पंप चालू नहीं है और जो टैंकर का पानी आता है वह धूप से गर्म हो जाता है पीने योग्य नहीं रह जाता है,साथ ही शौचालय की साफ सफाई भी ठीक से न होने से काफी गंदगी रहती है और महिलाओं के लिए पिंक कलर बनी शौचालय में पुरुष चले जाते हैं जिससे उनको परेशानी होती है, डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र इस ओर शासन प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराता है। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के मीडिया प्रभारी राजेश कुमार यादव ने कहा कि कचहरी परिसर में कहीं भी स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था दुरुस्त किया जाए तत्काल में एक टैंकर लगाया जाए जिससे पानी पीने की व्यवस्था तुरंत उपलब्ध हो सके। संचालन मीडिया प्रभारी राजेश कुमार मौर्य एड ने किया। बैठक में कामता प्रसाद यादव, [illegible] प्रसाद सिंह, सुरेश सिंह कुशवाहा, श्यामदेव सिंह, टिंटू गुप्ता, नवीन पांडेय, अभिषेक सिंह, अमरेश कुमार विश्वकर्मा, रमेशचंद्र मौर्य एड, अनिल कुमार सिंह एड, शाहनवाज खान एड आदि पदाधिकारी एवम् सदस्यगण उपस्थित रहे।



# हरियाली आंदोलन से प्रेरित है इको क्लब : डॉ. बृजेश महादेव

## नगवां के पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय पल्हारी में इको क्लब का हुआ गठन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। ''जहां है हरियाली– वहां है खुशहाली'' को आदर्श मानकर डॉक्टर बृजेश महादेव ने कोरोना काल में हरियाली आंदोलन की शुरुआत की जिसका उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण है जिसके तहत आम जन को पौधरोपण एवं वन संरक्षण के लिए प्रेरित करना तथा पर्यावरण को मानव अनुकूल बनाए रखना है। पर्यावरण संरक्षण जागरूकता के उद्देश्य से ही उच्च प्राथमिक एवं कंपोजिट विद्यालयों में शासनादेश के अनुसार इको क्लब फॉर मिशन लाइफ का गठन किया जा रहा है। इसी के परिप्रेक्ष्य में पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय पल्हारी नागवा सोनभद्र में जय प्रसाद चौरसिया प्रधानअध्यापक की अध्यक्षता में डॉ बृजेश महादेव द्वारा इको क्लब का गठन किया गया। ब्लाक स्काउट शिक्षक नगवा डॉक्टर बीके सिंह महादेव ने कहा कि मुझे यह बताते हुए हर्ष हो रहा है कि मेरे द्वारा संचालित हरियाली आंदोलन के थीम पर ही विद्यालयों में इको क्लब का गठन किया जा रहा है यह मेरे लिए गौरवपूर्ण पल है। डॉक्टर बृजेश ने बताया कि मेरे द्वारा किए गए कई प्रयास जैसे कम्पोजिट क्लास, स्मार्ट क्लास, जैप क्लास, डिजिटल लाइब्रेरी, आईसीटी लैब, साहित्यिक पत्रिका आदि को शासन द्वारा बेसिक शिक्षा विभाग में मूर्त रूप दिया गया है। पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय पल्हारी में गठित इको क्लब के मनोनीत पदाधिकारियों में हीरावती प्रधानमंत्री, संतोषी स्वास्थ्य मंत्री, आरती स्वच्छता मंत्री, सन्नूप सुरक्षा एवं न्याय मंत्री, गायत्री पोषण मंत्री, मंता अपस्थिति मंत्री, रूपा शिक्षा मंत्री, संतोष कौशल और विकास मंत्री, अभिमन्यु पर्यावरण मंत्री, बसंती खेल एवं संस्कृतिक मंत्री, अशीष संचार एवं संपर्क मंत्री मनोनीत किए गए। इस अवसर पर ज्ञानेश त्रिपाठी, प्रदीप गुप्ता, दीपक कुमार मौर्य, रमेश कुमार, शिव शंकर, पवन कुमार, उर्मिला देवी, ममता देवी ने बच्चों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। अंत में डॉक्टर बृजेश महादेव ने सभी को एक पौधारोपण का अनुरोध करते हुए सभा समापन की घोषणा की।



## चोरी के प्रकरण में 01 नफर अभियुक्त गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा के निर्देशन में व क्षेत्राधिकारी पिपरी के कुशल नेतृत्व में जनपद सोनभद्र में चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने व चोरी की घटनाओं का शीघ्र अनावरण व उसमें संलिप्त अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना पिपरी पुलिस द्वारा थाना पिपरी पर पंजीकृत मु0अ0सं0–89/2025 धारा–303(2), 317(2) बीएनएस से सम्बन्धित अभियुक्ता सुमन पटेल पत्नी संजय पटेल निवासी ग्राम भैसवार थाना घोरावल जनपद सोनभद्र उम्र करीब 40 वर्ष को –18.05.2025 को समय करीब 15.30 बजे प्राइवेट बस स्टैण्ड रेणुकूट मार्केट से चट–3099 के कर्मचारीगण की मदद से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्ता के कब्जे से 01 अदद अंगूठी सोने की, 01 अदद लाकेट सोने का कुल वजन करीब 02.06 ग्राम (कीमत करीब 22,000/– रूपया) व 500/– रूपया नगद बरामद कर अभियुक्ता को पुलिस ने बताया कि न्यायालय भेजा गया।

## मण्डल स्तरीय खरीफ उत्पादकता गोष्ठी का आयोजन 23 मई को वाराणसी में

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। उप निदेशक कृषि ने अवगत कराया है कि मण्डल स्तरीय खरीफ उत्पादकता गोष्ठी 2025–26 का आयोजन मण्डल स्तर पर किया जाना प्रस्तावित है निर्देशित किया जाता है कि मण्डलीय खरीफ उत्पादकता गोष्ठी 2025 का आयोजन 23.05. 2025 को पूर्वान्ह 10.30 बजे से वाराणसी में नियत है। समस्त सूचनाओं के साथ ससमय प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें एवं गोष्ठी से सम्बन्धित सूचना तैयार कर जिला कृषि अधिकारी, सोनभद्र को 20 मई,2025 तक ससमय उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

# 9 लाख 97 हजार रुपए की लागत से बनने वाले तालाब का राज्य मंत्री ने किया शिलान्यास

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। बिल्ली मारकुंडी ग्राम पंचायत के बाड़ी बैगा टोला में मनरेगा योजनान्तर्गत बनाए जाने वाले तालाब का सोमवार को सूबे के समाज कल्याण राज्य मंत्री ने चोपन ब्लाक प्रमुख लीला सिंह गोंड के साथ विधिवत पूजन व नारियल तोड़कर शिलान्यास किया। चोपन विकास खंड के बाड़ी बैगा टोला में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजनान्तर्गत ग्राम पंचायत द्वारा 9 लाख 97 हजार रुपए की लागत से निर्माण कार्य शुरू कराए जाने वाले तालाब की आधारशिला रखकर मुख्य अतिथि सूबे के राज्य मंत्री ने कहा कि गांव के विकास से ही सूबे का विकास होगा सरकार जल संचयन, जल संरक्षण के लिए गांव–गांव में कार्य कर रही है यह तालाब बनकर तैयार होने के बाद जल संरक्षण के लिए वरदान साबित होगा तालाब का निर्माण होने से जल स्तर भी ठीक रहेगा किसानों को खेती करने में भी सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा बिना भेदभाव के सभी वर्गों का विकास किया जा रहा है सरकार द्वारा चलाई जा रही तमाम जन कल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत गांव व शहरों में पक्की नाली, सड़क, हर घर नल का जल, हर घर बिजली पहुंचाने का कार्य तेजी से हो रहा है गांव में भी शहरों जैसी सुविधा मिलना शुरू हो गया है खंड विकास अधिकारी शुभम बरनवाल ने बताया कि तालाब खुदाई का कार्य शुरू हो गया है मनरेगा योजना 2025–26 निधि से हो रहे तालाब निर्माण कार्य को जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा इस दौरान जुगैल जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि संजीव त्रिपाठी, गुड्डू गोंड, टाटा चौधरी,पंकज मौर्या,चोपन ब्लाक के एपीओ अवनीश शर्मा ग्राम विकास अधिकारी राहुल सिंह, रोजगार सेवक दिलिप आदि मौजूद रहे।



# दो बाइक सवार अनियंत्रित हो हाथी नाला के जंगल में खाई में गिरे, गंभीर रूप से घायल

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। हाथीनाला थाना क्षेत्र के इको डायवर्सिटी के ठीक आगे सोमवार की सुबह 9:00 बजे दो बाइक सवार तेज रफ्तार में हाथी नाला से दुद्धी की ओर आ रहे थे कि पंचमुखी मंदिर एवं इको डायवर्सिटी पार्क के बीच में पड़ने वाले पहले मोड़ के पास अनियंत्रित हो कर बाइक सवार सड़क से नीचे खाई में गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए, जिसकी सूचना राहगीरों ने पुलिस को दिया सूचना पर पहुंची हाथीनाला पुलिस ने दोनों घायलों को खाई से उठाकर सड़क पर लाया, जिसके थोड़ी देर बाद पीछे बैठा युवक चालक को गंभीर हालत में छोड़कर मौका देख फरार हो गया, पुलिसकर्मी ने स्वयं एंबुलेंस द्वारा घायल चालक को सीएचसी दुद्धी में लाकर भर्ती कराया ,जहां मौजूद चिकित्सक द्वारा प्राथमिक उपचार कर घायल को रेफर कर दिया गया, युवक को इतनी गंभीर चोटें आई थी, कि वह अपने घर का पूरा पता नहीं बता पा रहा था, पुलिसकर्मी के अथक प्रयास के बाद घायल चालक केवल अपना नाम परमेश्वर उम्र लगभग 27 वर्ष पुत्र वकील ग्राम गनौरा राबर्टसगंज ही बता सका जो पुष्टि नहीं हो सका, घायल की हालत गंभीर देखते हुए पुलिसकर्मी अनुराग ने एंबुलेंस के द्वारा उसे ईलाज हेतु जिला अस्पताल के लिए साथ ले गए।



## 01 नफर अभियुक्त को गिरफ्तार कर कब्जे से 01 किलो 200 ग्राम अवैध गांजा किया गया बरामद

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा के निर्देशन में जनपद में मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन व क्षेत्राधिकारी पिपरी के निकट पर्यवेक्षण/ नेतृत्व में थाना पिपरी पुलिस द्वारा 18. 05.2025 को समय करीब 23.33 बजे वी मार्ट के पास पुलिया से आगे तथा धरिकार बस्ती से पहले, रेणुकूट से 01 नफर अभियुक्त विनोद कुमार पुत्र रामसागर निवासी धनसिरिया थाना राजगढ़ जनपद मिर्जापुर उम्र करीब 37 वर्ष को गिरफ्तार कर कब्जे से 01 किलो 200 ग्राम अवैध नाजायज गांजा बरामद कर थाना पिपरी पर मु0अ0सं0– 90/2025 धारा– 8/20 एनडीपीएस एक्ट का अभियोग पंजीकृत कर अभियुक्त विनोद कुमार उपरोक्त को पुलिस ने बताया कि न्यायालय भेजा गया।

## जनता दर्शन में पुलिस अधीक्षक ने सुनी फरियादियों की फरियाद

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। अशोक कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक द्वारा जनता दर्शन में आये फरियादियों की समस्याएं/शिकायतों को सोमवार को सुना गया। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु सम्बन्धित को आदेशित किया गया। उनके द्वारा सभी थाना प्रभारियों को सचेत किया गया कि जनसुनवाई/ महिला हैल्पडेस्क को और अधिक प्रभावशाली बनाये ताकि पीड़ित/ शिकायतकर्ता को अनावश्यक रूप से अपने थाने से पुलिस कार्यालय आने की आवश्यकता न हो। साथ ही निर्देशित किया गया कि जिस समस्या का समाधान थाना स्तर से हो सकता है उनका समाधान थाना स्तर पर ही समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर कराना सुनिश्चित करें। इसी क्रम में जनपद के समस्त राजपत्रित अधिकारीगण व थाना प्रभारियों द्वारा कार्यालय/थाना पर जनसुनवाई करते हुए प्राप्त जन शिकायतों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित कराया जा रहा है।



# पुरातन को नूतन से जोडता है वेद

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। ग्रीनफील्ड पब्लिक स्कूल में चल रहे वेदगान और सामान्य वेदगायन कार्यशाला के प्रथम दिवस के मुख्य अतिथि खण्ड शिक्षा अधिकारी अरविंद पटेल और विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ पत्रकार राजेन्द्र कुमार मानव रहे। कार्यशाला का प्रारम्भ मुख्य अतिथि ने मां वीणापाणि के चित्र पर माल्यार्पण व दीपप्रज्ज्वलन कर किया। अतिथियों का स्वागत कार्यशाला के जनपदीय समन्वयक दीनबन्धु त्रिपाठी ने तिलक,माल्यार्पण, बैज अलंकरण व अंगवस्त्रम प्रदान कर किया। जनपदीय समन्वयक ने बताया आज कार्यशाला के छठवें दिन छात्रों को रुद्राष्टक,महामृत्युंजय मंत्र,गायत्री मंत्र के बारे में बताया जायेगा व संगीतमय गायन का अभ्यास होगा। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में कहा जनपद में मात्र ग्रीनफील्ड में यह कार्यशाला चल रही है इस कार्यशाला में आकर मुझे अपने बचपन की याद आ गयी, मैं जिस स्कूल में पढ़ता था वहां मंत्रों के साथ प्रार्थना होती थी। आज बच्चों ने जिन मंत्रों का गायन किया है मैं अभिभूत हूं। चीजें पीछे छूट गयी थी विस्मृत हो गयी थी,जो इस कार्यशाला के माध्यम से बच्चों के अन्दर नवीन चेतना का संचार कर रही है। विशिष्ट अतिथि मानव ने कहा वेद बुराई और बदनीयती दूर करते हैं आइये आप संकल्प लें कि हम कभी नशा नहीं करेंगे और न ही अपने घरवालों को करने देंगे। मुख्य प्रशिक्षक विनोद तिवारी ने अपने नेतृत्व में सहायक प्रशिक्षक अशोक चौबे व आनन्द जी के साथ आज के विषय को पूर्ण तन्मयता के साथ ऊंचाई पर पहुंचाया।वातावरण वेदमंत्रों से पवित्र और स्निग्ध हो गया।इस अवसर पर संतोष तिवारी, संतोष सिंह,तमाम अभिभावक व ग्रीनफील्ड पब्लिक स्कूल के अध्यापक मौजूद रहे।कार्यशाला में आये हुए अतिथियों का आभार प्रदर्शन व धन्यवाद ज्ञापन ग्रीनफील्ड पब्लिक स्कूल के मैनेजिंग डाइरेक्टर अनुराग पाण्डेय ने किया। बताते चलें कि संस्कृति विभाग उत्तरप्रदेश के तत्वावधान में अन्तर्राष्ट्रीय रामायण एवं वैदिक शोध संस्थान अयोध्या के निर्देशन में संस्कार भारती व एडूलीडर्स के सहयोग से रामायण अभिरूचि कार्यशाला के अन्तर्गत वेदगायन व सामान्य वेदज्ञान कार्यशाला चल रही है।कार्यशाला में कुल एक सौ पच्चीस बच्चे प्रतिभाग कर रहे हैं।

# आयुष मोबाइल मेडिकल यूनिट वाहन को मुख्य विकास अधिकारी ने हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी ने सोमवार को विकास भवन परिसर में आयुष मोबाइल मेडिकल यूनिट को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किये यह आयुष मेडिकल यूनिट आयुष मोबाइल मेडिकल यूनिट अहरौरा ग्राम में पहुँचकर मेडिकल कैम्प का आयोजन करेगी तथा होम्योपैथिक दवाइयों का मरीजो में वितरण किया जायेगा यूनिट के सदस्यों में वरिष्ठ चिकित्साधिकारी डा0 हरिकेश कुमार यादव, फार्मासिस्ट रत्नेश कुमार एवं वार्डब्याय श्री अशोक कुमार आज के कैम्प का संचालन करेंगे। इस मौके पर जिला होम्योपैथिक चिकित्साधिकारी डा0 सूर्य प्रकाश मणि त्रिपाठी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक आद्या प्रसाद सिंह, जनपद के वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक डा0 कुसुमाकर श्रीवास्तव, डा0 सी0पी0डी0 पाण्डेय, फार्मासिस्ट विपुल दूबे, जनमेजय सिंह, राजाराम सिंह उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक– श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक– राजेश कुमार शर्मा

आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458 9415163471, 9453824459 दैनिक बुद्ध का संदेश 9795951917,9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

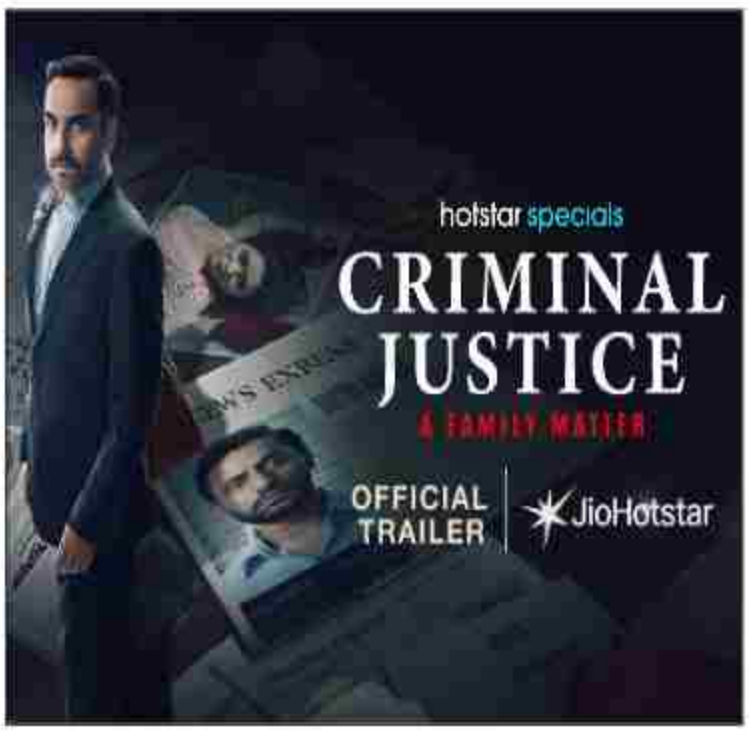

# पकंज त्रिपाठी की क्रिमिनल जस्टिस 4 का ट्रेलर जारी, नई रिलीज तारीख का भी हुआ ऐलान




मंझे हुए अभिनेता पंकज त्रिपाठी की पॉपुलर सीरीज क्रिमिनल जस्टिस के सीजन–4 का ट्रेलर निर्माताओं ने जारी कर दिया है। माधव मिश्रा के किरदार में पंकज त्रिपाठी पेचीदा केस के साथ फिर से वापसी करने जा रहे हैं। पंकज ने इसे पहले से भी ज्यादा रोमांचक अनुभव बताया है।

एप्लॉज एंटरटेनमेंट के बीबीसी स्टूडियोज इंडिया के सहयोग से बनी सीरीज का निर्देशन रोहन सिप्पी ने किया है। इस बार, पंकज त्रिपाठी का किरदार माधव मिश्रा एक हाई–प्रोफाइल केस को सुलझाता नजर आएगा। जियोहॉटस्टार क्लस्टर एंटरटेनमेंट के प्रमुख आलोक जैन ने कहा, क्रिमिनल जस्टिस हमारे जियो हॉटस्टार हिंदी कंटेंट पोर्टफोलियो में सबसे सफल फ्रेंचाइजी में से एक रहा है जिसे दर्शकों से काफी प्यार मिला। सीरीज के चौथे सीजन को लेकर हम उत्साहित हैं।

अप्लॉज एंटरटेनमेंट के प्रबंध निदेशक समीर नायर ने कहा, क्रिमिनल जस्टिस शानदार सीरीज है, जिसे पहले सीजन से ही प्रशंसकों का प्यार मिला है। जियोहॉटस्टार के साथ हमारी मजबूत साझेदारी रही है और साथ मिलकर हमने हमेशा दर्शकों को समझना और उन्हें प्रामाणिक और आकर्षक कहानी सुनाने का क्रम चौथे सीजन के साथ जारी रखा है। हम माधव मिश्रा को दर्शकों के सामने पेश करने के लिए उत्साहित हैं। वह कोर्ट रूम में दहाड़ते नजर आएंगे।

पंकज त्रिपाठी ने उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, क्रिमिनल जस्टिस का यह सीजन माधव मिश्रा के लिए कोर्ट रूम में वापसी से कहीं ज्यादा बढ़कर है। माधव मिश्रा की जगह लेना और क्रिमिनल जस्टिस के लिए शूटिंग करना एक नए अनुभव को जन्म देता है। सीरीज में मेरा किरदार शानदार है और मुझे लगता है कि वह अब मेरा दूसरा व्यक्तित्व बन गया है। इस सीजन में हमारे साथ कुछ बहुत ही प्रतिभाशाली अभिनेता भी शामिल हुए हैं जो कहानी को और दमदार बनाने जा रहे हैं। मैं सीरीज को लेकर उत्साहित हूं।

सुरवीन चावला ने अपने किरदार के विषय में कहा, अंजू एक बहुत ही मजबूत किरदार है, जिसे शानदार तरीके से गढ़ा गया है। वह सिर्फ एक कानूनी लड़ाई नहीं, बल्कि भावनाओं, सच्चाई और नैतिकता की लड़ाई है। हम चौथे सीजन के साथ दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं। हमारे पास बेहतरीन टीम है।

सीरीज के चौथे सीजन में पंकज त्रिपाठी के साथ मोहम्मद जीशान अय्यूब, सुरवीन चावला, आशा नेगी, खुशबू अत्रे, बरखा सिंह, आत्म प्रकाश मिश्रा के साथ मीता वशिष्ठ और श्वेता बसु प्रसाद अहम भूमिकाओं में हैं।

क्रिमिनल जस्टिस का प्रीमियर 29 मई को जियोहॉटस्टार पर होगा।

## गुरु रंधावा संग शनाया कपूर का पहला म्यूजिक वीडियो आया




संजय कपूर की बेटी शनाया कपूर का पहला म्यूजिक वीडियो रिलीज हो गया है। इसका नाम है वाइब। यह जानकारी खुद शनाया ने सोशल मीडिया पर दी है।

जाह्नवी कपूर, खुशी कपूर, सुहाना खान और अनन्या पांडे जैसी कई अभिनेत्रियां फिल्मी दुनिया में कदम रख चुकी हैं और शनाया ने भी अब मनोरंजन की दुनिया में अपना पहला कदम बढ़ा लिया है।

हालांकि, म्यूजिक वीडियो में उनके डांस की तारीफ करने के बजाय लोग उन्हें खूब ट्रोल कर रहे हैं।

शनाया गायक गुरु रंधावा के म्यूजिक वीडियो वाइब में नजर आईं, जिसमें अमेरिकी रैपर फ्रेंच मोंटाना भी हैं। गाने को भले ही लाखों व्यूज मिल चुके हों, लेकिन शनाया के डांस को लोगों से हरी झंडी नहीं मिली। शनाया ने 16 मई को इंस्टाग्राम पर म्यूजिक वीडियो की जानकारी देते हुए लिखा, इस ट्रैक में मेरा दिल है। वाइब अब रिलीज हो गया है। लास वेगास में शूट हुए इस गाने में शनाया लोगों का प्यार पाने में नाकाम रहीं। वाइब में शनाया का डांस देख ज्यादातर लोगों ने नकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। एक यूजर ने लिखा, ये क्या बकवास स्टेप है? शनाया को तो भूल जाइए, पीछे डांसर भी अकड़े हुए और बोरिंग लग रहे हैं। एक ने लिखा, भाई, ये डांस मूव्स क्या है? वह कोशिश भी नहीं कर रही है, इतनी अकड़। एक ने लिखा, अब मैं अनन्या पांडे को खूब इज्जत देना चाहता हूं। एक ने लिखा, एकदम घटिया। आत्मविश्वास की भारी कमी। कुछ ने तो शनाया का डांस देख ये कह दिया कि स्कूल के कार्यक्रम में भी लोग इससे बढ़िया प्रदर्शन करते हैं। एक ने लिखा, इतना बुरा डांस किया है शनाया ने। थोड़ा हिल–डुल तो लेती। चेहरे पर कोई हाव–भाव ही नहीं है। एक लिखते हैं, गुरु भाई आपका स्तर इतना गिर गया क्या? एक ने लिखा, ये डांस कर रही है या वर्कआउट? एक कमेंट है, सातें तुम अभी से रिटायर हो जाओ। फिर मत कहना कि बताया नहीं।

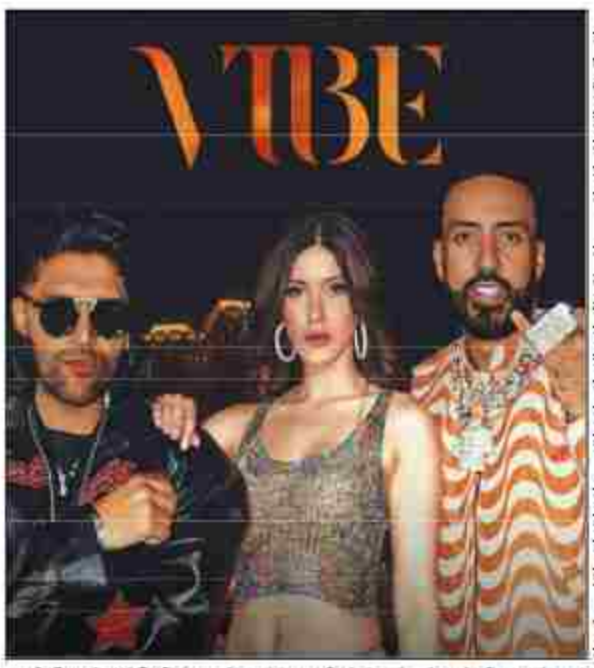

## सोनाक्षी सिन्हा की साइकोलॉजिकल थ्रिलर निकिता रॉय का पोस्टर रिलीज, 30 मई को सिनेमाघरों में देगी दस्तक




हाल ही में सोनाक्षी सिन्हा अभिनीत साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म निकिता रॉय का पोस्टर रिलीज हुआ है। अभिनेत्री के इस फिल्म के पोस्टर ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। सोनाक्षी के तनाव और सीरियस लुक ने सभी को हैरान कर दिया है। फिल्म निर्माताओं द्वारा फिल्म की रिलीज डेट की भी घोषणा कर दी गई है।

सोनाक्षी सिन्हा अपने दमदार लुक के साथ इस बार सिनेमाई पर्दे पर नजर आने वाली हैं। अभिनेत्री की आगामी फिल्म निकिता रॉय के पोस्टर ने उनके लुक के बारे में कई सवाल पैदा कर दिए हैं। इस पोस्टर में सोनाक्षी सिन्हा के अलावा अर्जुन रामपाल, परेश रावल और सुहैल नय्यर भी नजर आ रहे हैं। फिल्म के पोस्टर में सभी किरदार सस्पेंस लुक में दिख रहे हैं। यह फिल्म एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म है। निकिता रॉय फिल्म का निर्देशन कुश एस सिन्हा कर रहे हैं, जो इस फिल्म से डायरेक्टर के तौर पर डेब्यू कर रहे हैं। यह फिल्म रहस्य, मनोवैज्ञानिक थ्रिलर की कहानी के साथ दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार है। सोनाक्षी सिन्हा की ये फिल्म 30 मई को सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी। इस फिल्म को निक्की विक्की भगनानी फिल्म्स और निकिता पाई फिल्म्स लिमिटेड के बैनर तले बनाया जा रहा है। वहीं, इस फिल्म का प्रोडक्शन निक्की खेमचंद भगनानी, किंजल आहूजा घोन और विक्की भगनानी ने किया है।

सोनाक्षी सिन्हा अभिनीत फिल्म निकिता रॉय को लेकर फिल्म निर्माता निक्की और विक्की भगनानी ने कहा कि यह फिल्म उनके दिल के बहुत करीब है। यह फिल्म दर्शकों को वहां ले जाएगी, जहां मुख्यधारा की फिल्में नहीं ले जा पाती हैं। इसके अलावा उन्होंने कहा कि इस फिल्म के कलाकार अपने शानदार अभिनय से दर्शकों का मनोरंजन करने को तैयार हैं। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि फिल्म रिलीज के समय पर सिनेमाघरों में क्या कमाल करती है।

## ब्लैक ड्रेस में तमन्ना भाटिया का हॉट अवतार, फैंस का धड़का दिल

फिल्म इंडस्ट्री की चर्चित और स्टाइलिश एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरों से तहलका मचाती रहती हैं, हाल ही में तमन्ना ने इंस्टाग्राम पर अपनी एक खूबसूरत



तस्वीर शेयर की, जिसमें वह एक ब्लैक ड्रेस में नजर आ रही हैं, इस पोस्ट के साथ उन्होंने लिखा, दर्शकों को समर्पित एक रात के लिए तैयार जी सिने अवार्ड्स, तमन्ना का यह ब्लैक ड्रेस लुक बेहद स्टाइलिश और बोल्ड है, जो उनके फैंस को आकर्षित कर रहा है, तस्वीर में उनके बालों का सटल और एलिगेंट स्टाइल, साथ ही उनके सॉफ्ट मेकअप ने उनके लुक को और भी शानदार बना दिया, इस पोस्ट पर तमन्ना के फैंस ने ढेरों कमेंट्स और लाइक्स किए हैं फिल्म इंडस्ट्री के कई सितारे जैसे मनीष मल्होत्रा, रश्मि तारणजीत, और सोनम बाजवा ने भी इस पोस्ट पर अपनी प्रतिक्रिया दी और तमन्ना की सुंदरता की सराहना की, उनके द्वारा दिए गए कमेंट्स इस पोस्ट को और भी खास बना रहे हैं, तमन्ना भाटिया का यह लुक हर किसी को उनका दीवाना बना रहा है और जी सिने अवार्ड्स के लिए उनका यह खास अवतार फैंस के बीच चर्चा का विषय बन चुका है,

# रोजाना मेडिटेशन करना क्यों है जरूरी ? जानिए इसके 5 फायदे

मेडिटेशन एक प्राचीन और असरदार तरीका है, जो मानसिक शांति और शारीरिक सेहत को बढ़ावा देता है। यह न केवल तनाव को कम करने में मदद करता है, बल्कि ध्यान केंद्रित करने की क्षमता भी बढ़ाता है।

नियमित मेडिटेशन से आत्म–नियंत्रण और आत्म–विश्वास में सुधार होता है। इसके अलावा मेडिटेशन से जीवन में संतुलन और स्थिरता आती है।

आइए आज हम आपको मेडिटेशन के पांच फायदों के बारे में बताते हैं, जो आपके जीवन को बेहतर बना सकते हैं। मानसिक सेहत को बेहतर बनाने में है कारगर मेडिटेशन मानसिक सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। यह तनाव, चिंता और उदासी को कम करने में सहायक होता है। नियमित मेडिटेशन करने से दिमाग की बनावट में सुधार होता है और यह अधिक स्थिर और संतुलित बनता है।

इसके अलावा मेडिटेशन से विचारों को नियंत्रित करने की क्षमता भी बढ़ती है, जिससे मन शांत रहता है।

मेडिटेशन के दौरान मन को शांत करने से मानसिक थकान भी दूर होती है।

मेडिटेशन केंद्रित करने की क्षमता को बढ़ा सकता है

मेडिटेशन करने से ध्यान केंद्रित करने की क्षमता बढ़ती है। आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में हमारा मेडिटेशन कई चीजों पर बंट जाता है, जिससे कामकाज में रुकावट आती है।

नियमित मेडिटेशन करने से मन को एक जगह पर केंद्रित करने की आदत पड़ती है, जिससे किसी भी काम को बेहतर तरीके से किया जा सकता है।

इसके अलावा मेडिटेशन से मानसिक स्थिरता भी बढ़ती है, जिससे विचारों को नियंत्रित करना आसान होता है। आत्म–नियंत्रण में है मददगार मेडिटेशन आत्म–नियंत्रण में भी मदद करता है।

जब हम अपने विचारों और भावनाओं को नियंत्रित करना सीखते हैं तो हम अपने कामों पर भी नियंत्रण पा सकते हैं। इससे हमारी निर्णय लेने की क्षमता बेहतर होती है और हम अचानक निर्णय लेने से बच सकते हैं।

मेडिटेशन से आत्म–नियंत्रण बढ़ता है, जिससे हम अपने लक्ष्यों को पाने में सफल होते हैं और जीवन में संतुलन बनाए रखते हैं। शारीरिक सेहत के लिए भी है लाभकारी मेडिटेशन सिर्फ मानसिक ही नहीं बल्कि शारीरिक सेहत के लिए भी फायदेमंद होता है। यह रक्तचाप को नियंत्रित करता है, दिल की धड़कन को स्थिर करता है और रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाता है। इसके अलावा मेडिटेशन करने से शरीर में ऊर्जा का संचार होता है और व्यक्ति अधिक सक्रिय महसूस करता है।

नियमित मेडिटेशन से शारीरिक और मानसिक सेहत में संतुलन बना रहता है, जिससे व्यक्ति स्वस्थ और खुशहाल जीवन जी सकता है। शरीर में संतुलन और स्थिरता लाने में है कारगर मेडिटेशन जीवन में संतुलन और स्थिरता लाने में मदद करता है।

जब हमारा मन शांत रहता है तो हम अपने काम और जिम्मेदारियों को बेहतर तरीके से निभा पाते हैं। इससे तनाव कम होता है और जीवन अधिक खुशहाल बनता है।

इस प्रकार देखा जाए तो मेडिटेशन कई लाभ प्रदान करता है, जो हमारे जीवन को बेहतर बना सकते हैं। इसलिए मेडिटेशन लगाने की आदत डालें और इसके फायदों का आनंद लें।